



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 29]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 23, 2003/माघ 3, 1924

No. 29]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 23, 2003/MAGHA 3, 1924

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 2003

अंतिम जांच परिणाम

विषय : यूरोपीय संघ, सिंगापुर और जार्जिया से विटामिन ए पामिटेड के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

सं. 65/1/2001-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 को ध्यान में रखते हुए :—

क. प्रक्रिया

1. प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

(क) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक 30.4.02 की अधिसूचना द्वारा यूरोपीय संघ, सिंगापुर तथा जार्जिया से आयातित विटामिन ए पामिटेड के संबंध में पाटन रोधी जांच के बारे में प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित किया था तथा हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित रूप से अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था।

(ख) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक जांच परिणामों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर उपर्युक्त जांच परिणामों पर लिखित रूप से अपने विचार, यदि कोई हों प्रस्तुत करने का अनुरोध किया था।

(ग) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को 28 अक्टूबर, 2002 को मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। मौखिक रूप से अपने विचार व्यक्त करने वाली सभी पार्टियों से अनुरोध किया गया था कि वे सार्वजनिक सुनवाई के समय मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करें। पार्टियों को सलाह दी गई थी कि वे विरोधी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियाँ प्राप्त कर लें तथा प्रत्युत्तर, यदि कोई हों प्रस्तुत करें।

(घ) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों और तर्कों के अगोपनीय अंश वाली फाइल सभी हितबद्ध पार्टियों को निरीक्षण हेतु उपलब्ध करवाई थी।

(ङ.) याचिकाकर्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक जांच परिणामों और/या इन जांच परिणामों में उचित ढंग से विचार किया गया है।

(च) उपरोक्त नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार का खुलासा ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को कर दिया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन जांच परिणामों में विधिवत विचार किया गया है।

(छ) प्राधिकारी ने विटामिन ए पामिटेट के आयातों के सम्बंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए दिनांक 24 जनवरी, 2002 को सार्वजनिक सूचना भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की।

(ज) \*\*\* यह चिह्न इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है तथा नियमों के अधीन प्राधिकारी द्वारा उसे गोपनीय ही माना गया है।

## ख जांचाधीन उत्पाद

2. वर्तमान मामले में जांचाधीन उत्पाद विटामिन ए पामिटेट है। यह संतरी पीले से लेकर पीलापन लिए हुए लाल तैलीय तरल पदार्थ होता है जिसका 20° से. से कम पर क्रस्टलीकरण किया जा सकता है। इसमें विटामिन ए पामिटेट और विटामिन ए एसिटेट का मिश्रण होता है जिसमें विटामिन ए पामिटेट का 90% से अधिक और विटामिन ए एसिटेट का 10% से कम तत्व होता है। विटामिन ए एसिटेट की मौजूदगी रासायनिक विनिर्माण प्रक्रिया के कारण होती है। इसमें एंटी आक्सीडेंट के रूप में बीएचए और बीएचटी निहित होते हैं।

विटामिन ए पामिटेट का इस्तेमाल भेषजीय नुस्खों में किया जाता है।

याचिकाकर्ता द्वारा विटामिन ए पामिटेट का उत्पादन सामान्यतः निम्नलिखित दो क्षमताओं में किया जाता है:

- \* विटामिन ए पामिटेट 1.0 एमआईयू/ग्राम
- \* विटामिन ए पामिटेट 1.7 एमआईयू/ग्राम

चूँकि विभिन्न क्षमताओं के विटामिन ए पामिटेट का एक जैसा अंतिम उपयोग होता है इसलिए वर्तमान जांच में संबद्ध वस्तु की सभी क्षमताएं और स्वरूप शामिल होंगे ।

विटामिन ए पामिटेट सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 2936.21 के तहत वर्गीकृत है । तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के क्षेत्र पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है ।

प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के संबंध में प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं ।

#### ग. समान वस्तुएं

3. घाटनशेधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट है कि "समान वस्तुओं" का तात्पर्य किसी ऐसी वस्तु से है जो हर प्रकार से जांचाधीन उत्पाद के समनुरूप अथवा समान है अथवा ऐसी किसी वस्तु के अभाव में ऐसी अन्य वस्तु से है जिसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं से अत्यधिक मिलती जुलती हैं ।

यह प्रमाणित करने के लिए कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विटामिन ए पामिटेट यूरोपीय संघ, सिंगापुर और जार्जिया से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है, प्राधिकारी द्वारा तकनीकी विनिर्देशन, विनिर्माण प्रक्रिया, कार्य एवं उपयोग तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं पर विचार किया गया है ।

प्राधिकारी यह भी पाते हैं कि इस बात का खंडन करते हुए कोई तर्क नहीं दिया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विटामिन ए पामिटेट में आयातित सामग्री से अत्यधिक मिलती जुलती विशेषताएं हैं और वह वाणिज्यिक एवं तकनीकी दोनों रूप से संबद्ध देश से आयातित विटामिन ए पामिटेट द्वारा प्रतिस्थापनीय है । घरेलू उत्पाद द्वारा उत्पादित विटामिन ए पामिटेट को नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर यूरोपीय संघ, सिंगापुर और जार्जिया से निर्यातित उत्पाद के समान वस्तु माना गया है ।

उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी समान वस्तु के बारे में प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करने का प्रस्ताव रखते हैं।

#### घ. घरेलू उद्योग:

4. यह याचिका मै0 निकोल्स पिरामिल इंडिया लि0 द्वारा दायर की गयी है। मै0 निकोल्स पिरामिल इंडिया लि0, मुम्बई देश में विटामिन ए पामिटेड का एकमात्र विनिर्माता है। अतः प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता “घरेलू उद्योग” है और उसके पास नियमों के तहत याचिका दायर करने का अपेक्षित आधार है।

याचिकाकर्ता द्वारा विटामिन ए पामिटेड का उत्पादन निम्नानुसार रहा है:-

#### विटामिन ए पामिटेड 1.0 एमआईयू/ग्राम

वर्ष	उत्पादन (मी0 टन)
1999-2000	7.18
अप्रैल 2000 - दिसम्बर 2000	3.50
जनवरी 2001 - सितम्बर 2001	3.00

#### विटामिन ए पामिटेड 1.7 एमआईयू/ग्राम

वर्ष	उत्पादन (मी0 टन)
1999-2000	18.81
अप्रैल 2000 - दिसम्बर 2000	19.70
जनवरी 2001 - सितम्बर 2001	20.88

#### ड. जांच की अवधि:-

5. यह जांच, 1 जनवरी 2001 से 30 सितम्बर 2001 (9 महीने) तक की अवधि के लिए की गई थी।

#### 6. अन्य मुद्दे:

(क) मै0 बी.ए.एस.एफ. एज. जर्मनी द्वारा किए गए अनुरोध

1. बी.ए.एस.एफ. के निर्माण प्रक्रिया शिकायतकर्ता की प्रक्रिया से भिन्न है। अतः बी.ए.एस.एफ. तथा पिरामिल के बीच उत्पादन लागत के अंतर को देखा जा सकता है।

इसके अतिरिक्त बीएसएफ को एकमात्र उत्पादक होने का लाभ प्राप्त है। इससे अच्छी लागत की स्थिति उत्पन्न होती है। अतः दी गई कीमत पर, बीएसएफ की लाभ स्थिति पिरामल की तुलना में महत्वपूर्ण रूप से अच्छी है।

2. यह सही नहीं है कि अधिक सान्द्रित विटामिन ए की कीमत का कम सान्द्रित उत्पाद की कीमत पर अधिक प्रभाव है। विटामिन ए पाम 1.0 तथा विटामिन ए पाम 1.7 की केवल कुछ ही मात्रा प्रतिस्थापनीय हैं। विटामिन ए पाम 1.7 का 1.0 उत्पाद की तुलना में बड़ा बाजार है। इसीलिए 1.7 बाजार मांग पर कीमत दबाव अधिक है परन्तु इसका अर्थ 1.0 को बाजार से समाप्त करना नहीं है।

3. बीएसएफ ने कहा है कि उनके पी एण्ड एल उत्पाद में ब्याज एवं वित्त लागत (परिशिष्ट 8,9 तथा 10) को रिकार्ड नहीं किया गया है तथा इस प्रकार उसे उत्पाद स्तर पर प्रलेखित नहीं किया जा सकता।

4. जहाँ तक कच्ची सामग्री की मात्रा (कि.ग्रा.) तथा उसकी दर का सम्बन्ध है, उन्होंने कहा है कि उस प्रत्येक कच्ची सामग्री की लागत देखने के लिए जिससे विटामिन ए का विनिर्माण किया जाता है, उन्हें बीएसएफ ए जी की उत्पाद लागत प्रणाली तथा प्रत्येक लागत आकलन शीट को विस्तृत रूप से देखना होगा। सीसीएस मासिक आधार पर उपलब्ध है, सीसीएस का कोई वार्षिक सारांश नहीं होता है। सीसीएस जर्मनी भाषा में है।

5. लागत प्रकार और प्रमात्रा में उपयोगिताओं का विभाजन लागत केन्द्र स्तर के रूप में प्रलेखित किया जा सकता है। इनका लागत स्थानों और उत्पादों के लिए अलग-अलग आबंटन नहीं किया जाता है।

6. उत्पादन लागत के विवरण पर उत्तर गोपनीय आधार पर प्रोफार्मा क में प्रस्तुत किया गया है।

#### (ख) बीएसएफ भारत द्वारा निवेदन:

1. बीएसईए प्रा. लि. द्वारा प्रस्तुत किए गए निर्यातकों की प्रश्नावली की जांच के संदर्भ में बीएसएफ इंडिया लि० ने निवेदन किया है कि बीएसईए प्रा० ने भारत को निर्यात के लिए बिक्री कीमत ढांचा (परिशिष्ट 4) तथा भारत के अतिरिक्त अन्य देशों

को निर्यात हेतु बिक्री कीमत ढांचा प्रस्तुत नहीं कर सकता (परिशिष्ट 6) क्योंकि जांचाधीन उत्पाद का बीएसएफ एजी, जर्मनी से सीधे नौवहन किया गया था ।

2. निदेशकों की रिपोर्ट तथा वर्ष 1999, 2000 तथा 2001 के लिए बीएसईए प्रा0 लि0 के वित्तीय विवरण प्रस्तुत किए जा चुके हैं ।

3. यह बताया गया है कि बीएसएफ इंडिया को दिये गए कमीशन में कोई विसंगति नहीं है । बीएसएफ इंडिया लि0 को सीधे बुक किए/नौवहन किए गए आर्डरों के लिए, बीएसएफ इंडिया लि0 को कोई कमीशन नहीं दिया गया था । बीएसएफ इंडिया लि0 को तीसरी पार्टी को की गई आपूर्ति पर \*\*\*% कमीशन दिया गया था ।

4. बीएसएफ इंडिया लि0 और बीएसएफ जी के बीच कोई क्षतिपूरक प्रबंध नहीं है ।

5. दावा किए गए समायोजन: बीएसएफ इंडिया ने स्पष्टीकरण दिया है कि जांच की अवधि के दौरान विटामिन ए पामिटेड 1.7 एमआईयू बीएचटी की 2300 कि.ग्रा. की बिक्री हेतु आयात और पुनः बिक्री के बीच (दस्तावेजी साक्ष्य के साथ विधिवत समर्थित) उनके द्वारा व्यय की गई लागत निम्नलिखित है:-

- (i) वेयरहाउसिंग तथा स्टोरेज - \*\*\*/- रु.
- (ii) वातानुकूलन प्रभार (सामग्री का ठंडे तापमान पर भंडारण किया जाता है)\*\*\*/-रु.
- (iii) जन शक्ति प्रभार - \*\*\*/- रु.
- (iv) परिवहन/वहन और विविध व्यय (अर्थात् स्टेशनरी, फर्नीचर आदि की लागत) - \*\*\*/- रु.

2300 कि.ग्रा. के लिए आकलित कुल प्रभार \*\*\*/- रु. है जो \*\*\*/- रु./ कि.ग्रा. है ।

6. बीएसएफ एजी से बीएसएफ भारत को निर्यात पर हुई पैकिंग लागत पर व्यय की गई राशि पर कुल सूचना प्रदान की गई है । वर्ष 2001 के लिए लाभ एवं हानि लेखा दिया गया है ।

7. बीएसएफ ए जी, जर्मनी ने विटामिन ए पामिटेड 1.7 बीएचटी के यूनिसेफ और गैर यनिसेफ निर्यातों के लिए बिक्री कीमत ढांचा प्रस्तुत किया है ।

## (ग) प्राधिकारी द्वारा जांच

1. पैकिंग लागतें जर्मनी भाषा में हैं ।
2. निर्यातक प्रश्नावली की परिशिष्ट 8, 9 एवं 10 में निर्यातक को मात्रा, दर, मूल्य और तैयार उत्पाद के संबंध में उसके प्रभाव क्षेत्र के रूप में कच्ची सामग्री का अलग-अलग ब्यौरा प्रस्तुत करना अपेक्षित है । ये ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए गए थे । तदनुसार उन्हें इसे प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था । बीएसएफ ने मूल्य से संबंधित कुछ सूचना प्रस्तुत की है । निर्यातक से कैप्टिव रूप से उत्पादित और खपत की गई कच्ची सामग्री विशेषतः विटामिन ए एसिटेट की लागत का अलग-अलग ब्यौरा प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था । बीएसएफ ने प्राधिकारी को विटामिन ए एसिटेट की लागत के संबंध में सूचना प्रस्तुत नहीं की है । कच्चा माल का दावा कुल जोड़ संबंध वस्तु के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल के ब्यौरों से मेल नहीं खाता है ।
3. बीएसएफ ने निवेदन किया है कि विटामिन ए के विनिर्माण में शामिल प्रत्येक कच्चे माल की लागत की जांच प्रत्येक लागत परिकलन शीट द्वारा की जा सकती है । परंतु इस प्रकार के लागत परिकलन की विस्तृत शीट प्रस्तुत नहीं की गई है । कैप्टिव रूप से उत्पादित तथा खपत किए गए कच्चे माल के लिए उनके द्वारा अपनाई जा रही अन्तरण कीमत हेतु पद्धति दर्शाए बिना इस प्रकार के परिकलन का सैद्धांतिक पहलू दिया गया है । लागत परिकलन प्रस्तुत नहीं किया गया है । यह उल्लेख किया गया है कि लागत परिकलन शीट जर्मन भाषा में है तथा प्राधिकारी के अवलोकनार्थ उसका अंग्रेजी में अनुवाद किया जा सकता है । प्राधिकारी को कोई अनूदित प्रति उपलब्ध नहीं कराई गई थी ।
4. बीएसएफ ने न तो उपयोगिताओं के विभिन्न घटकों के संबंध में और न ही उनकी दरों के संबंध में परिमाणात्मक सूचना प्रस्तुत की है ।
5. बीएसएफ ने स्वीकार किया है कि उनके उत्पाद लाभ एवं हानि लेखे में ब्याज एवं वित्त लागत का रिकार्ड नहीं है और न ही उसका उत्पाद स्तर पर प्रलेखन किया जा सकता है । उन्होंने कहा कि यदि ये अपेक्षित हैं तो पूर्वानुमान आवश्यक हैं ।
6. संस्थापित क्षमता, उत्पादन, बिक्री, आदि के संबंध में परिशिष्ट 7 में सूचना केवल मात्रा के रूप में दी गई है न कि मूल्य के रूप में । अन्य उत्पादों के संबंध में कोई सूचना नहीं दी गई है ।
7. विटामिन ए पामिटेट के संबंध में जांच की अवधि के लिए बीएसएफ द्वारा दिनांक 15 नवम्बर, 2002 के पत्र द्वारा प्रस्तुत लागत ब्यौरों का कुल जोड़ दावा की गई लागत के ब्यौरों से मेल नहीं खाता है ।
8. दिनांक 18.12.2002 के पत्र द्वारा प्रपत्र ख में दिए गए लागत के आंकड़ों से ऊपर दर्शाई गई कमियों में अभी भी सुधार नहीं होता है ।

9. उपर्युक्त असंगतियों/कमियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्धारित करना संभव नहीं है कि क्या उससे पाटनरोधी नियमावली में की गई परिकल्पना के अनुसार पूर्ण उत्पादन लागत प्रदर्शित होती है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि घरेलू बिक्री व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के अनुसार है।

**(ग) प्राधिकारी द्वारा 28 अक्टूबर, 2002 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई**

**1. घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त किए गए विचार:-**

(क) याचिकाकर्ता ने मौखिक सुनवाई के तदनंतर दिए गए अपने लिखित निवेदनों द्वारा अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं :-

1. मै0 निकोल्स पिरामल इंडिया लि0 देश में विटामिन "ए" पामिटेड का एकमात्र विनिर्माता है। उनके संयंत्र की स्थापित क्षमता 100 एमटी है तथा याचिकाकर्ता, देश में विटामिन "ए" पामिटेड की मांग पूरी करने की स्थिति में है।
2. विटामिन "ए" पामिटेड का आयात वर्ष 1999 से आरंभ हुआ था तथा संबद्ध वस्तु का पाटन जनवरी, 2001 से आरंभ हुआ। भारत औसत सीआईएफ कीमत जो 1999-2000 में \*\*\* अमेरिकी डालर/ किग्रा0 थी जनवरी, 2001 से सितम्बर, 2001 के दौरान घटकर \*\*\* अमेरिकी डालर/किग्रा0 हो गयी।
3. बाजार में कम कीमत पर आयातित संबद्ध वस्तु की उपलब्धता से कीमत में कटौती हुई, जिसके कारण याचिकाकर्ता को अपनी कीमत में कमी करने के लिए बाध्य होना पड़ा हानि में वृद्धि को देखते हुए याचिकाकर्ता अपनी बिक्री कीमतों में आयातकों द्वारा दी गई कीमत से अधिक कमी नहीं कर सका अतः उसके बाजार हिस्से में कमी हुई।
4. इस तथ्य के बावजूद कि डीपीसीओ कीमत में अप्रैल, 2000 से दिसम्बर, 2000 की अवधि में संशोधन किया गया था, याचिकाकर्ता यह कीमत नहीं प्राप्त कर सका तथा आयातित संबद्ध वस्तु कम कीमतों पर उपलब्ध होने के कारण उसे हानि होती रही।
5. हालांकि संबद्ध वस्तुएं इस समय 1.7 एमआईयू/जी क्षमता में आयात की जा रही हैं तथापि इस आयात से 1.7 एमआईयू/जी तथा 1.0 एमआईयू/जी दोनों की बिक्री प्रभावित हुई क्योंकि संबद्ध वस्तु की विभिन्न क्षमता का उपयोग उपयोक्ता उद्योग द्वारा एक दूसरे के स्थान पर किया जा रहा है। कम कीमतों पर उच्च क्षमता की उपलब्धता से निम्न क्षमता की प्रति यूनिट कीमतें आनुपातिक रूप से कम हो जाती हैं और इस प्रकार उपयोक्ता अपनी लागत कम करने के लिए उच्च क्षमता की वस्तु खरीदने को प्राथमिकता देता है। अतः जांच की अवधि के दौरान 1.0 एमआईयू/जी की भण्डार सूची में पर्याप्त वृद्धि हुई थी। अतः प्राधिकारी से अनुरोध किया जाता है कि प्रति 1.0 एमआईयू/जी के आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाने पर अनुकूल दृष्टि से विचार करें तथा जिसे उच्च या निम्न शक्ति के अनुसार आनुपातिक रूप से बढ़ाया या कम किया जा सकता है।
6. घरेलू उद्योग ने अभी तक करीब 377 लोगों के अपने कार्य बल में कमी नहीं की है। परंतु यदि सम्बद्ध वस्तु का पाटन आगे जारी रहा तो बंदी हुई क्षति को देखते हुए उन्हें अपने कुछ कर्मचारियों को हटाना पड़ेगा जिससे उनके परिवारों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ेगा।



7. बढ़ी हुई क्षति के कारण याचिकाकर्ता कम्पनी के लिए तरलता की समस्याये उत्पन्न हो गई है तथा घाटे पर वित्त पोषण के परिणामस्वरूप या तो वित्त लागत में वृद्धि हुई है या आर्डर यूनिट में विस्तार के अवसरों में कमी आई है क्योंकि उनके द्वारा निर्मित अतिरिक्त माल का उपयोग इस डिबीजन में हानि को पूरा करने के लिए किया जाता है। इन लागतों को न्यूनतम रखने के उद्देश्य से घरेलू उद्योग को भण्डार सूची को मात्र न्यूनतम रखकर अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकता को कम करने के लिए बाध्य होना पड़ा।
8. जैसाकि अगोपनीय सारांश और प्रारंभिक जांच परिणामों से पता चलता है, बीएसएफ ने पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत यथापेक्षित पूर्ण सूचना नहीं दी है और न ही यह निर्धारित प्रपत्र के अनुसार है। मौके पर सत्यापन केवल प्रस्तुत सूचना तथा प्राधिकारी को स्पष्ट की गई गलत फहमी को सत्यापित करने के लिए किया जाता है न कि गलतफहमी दूर करने के लिए तथा निर्यातकों के परिसरों पर आंकड़ें एकत्रित करने के लिए। बीएसएफ को असहयोगी माना जाना चाहिए। उनके द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना पूर्णतः अपर्याप्त है तथा प्रस्तावित प्रपत्र अनुसार नहीं है अतः उसे अस्वीकृत कर दिया जाना चाहिए।
9. बीएसएफ द्वारा दिए गए तर्कों में से एक तर्क यह है कि भारत को उनकी आपूर्ति मुख्यतः यूनिसेफ कार्यक्रमों के लिए की गई थीं तथा इस कार्यक्रम के अंतर्गत बिक्री की सामान्य सूचीबद्ध कीमत में कीमत कटौती की जाती है। यह निवेदन किया गया है कि यूनिसेफ आपूर्तियां अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली पर की जाती हैं तथा याचिकाकर्ता कम्पनी भी सांसाजिक कारणों से तथा निशान्धता देश की प्रमुख चिंता होने के कारण पिछले दो वर्षों से सीधे यूनिसेफ को आपूर्ति कर रहा है। (भारत को नेत्रहीन बच्चों की सूची में पहला स्थान है, 60,000 बच्चे प्रति वर्ष) याचिकाकर्ता कम्पनी का संयंत्र भारत में केवल एक ऐसा संयंत्र है जो यूनिसेफ कॉपेनहेगन द्वारा अनुमोदित है। यूनिसेफ बिक्री को भारत में माने गए निर्यातों का लाभ प्राप्त हो रहा है।
10. परिशिष्ट- xi में बीएसएफ एजी द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के संबंध में अपने प्रारंभिक जांच परिणामों में प्राधिकारी के जांच परिणामों के अतिरिक्त यह उल्लेख किया गया है कि विटामिन एडी3 500/100 की पाटनरोधी जांच कार्यवाही के दौरान विटामिन ए एसिटे की उत्पादन लागत के संबंध में बीएसएफ ने प्राधिकारी को सूचना प्रस्तुत की है। यह नोट किया जाता है कि वर्तमान पाटनरोधी जांच, विटामिन एडी3 500/100 के पूर्ववर्ती जांच से अलग हैं तथा इसकी जांच की अवधि अलग है। इसके अतिरिक्त विटामिन ए एसिटे का उपयोग के लिए है जबकि विटामिन एडी3 500/100 जानवरों के पोषण के लिए है।
11. बीएसएफएजी, बीएसएफ साउथ ईस्ट एशिया लि0 तथा बीएसएफ लि0 संबद्ध कम्पनियां हैं। इन सभी संबद्ध कम्पनियों के तुलन पत्र और लाभ एवं हानि लेखे प्राधिकारी को प्रदान न करके उन्होंने प्राधिकारी के साथ पाटनरोधी नियमों के अनुसार सहयोग नहीं किया है। यह उपर्युक्त संदर्भित सूचना का विश्लेषण करने और उस पर अपनी टिप्पणियां देने के अधिकार से भी याचिकाकर्ता को वंचित करता है।
12. जहाँ तक बीएसएफएजी के इस तर्क का संबंध है कि बीएसएफ की उत्पादन प्रक्रिया शिकायतकर्ता की प्रक्रिया से अलग है, यह उल्लेख किया गया है कि सीमेंट के फैसले में यह माना गया है कि विनिर्माण प्रक्रिया पाटनरोधी कानून के अंतर्गत संगत तथ्य नहीं है। गुणवत्ता में अंतर भी महत्वपूर्ण नहीं है। आयातित वस्तुएं तथा घरेलू रूप से उत्पादित

वस्तुओं का एक ही उपयोग है तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उसे सहीतौर पर समान वस्तु माना है ।\* आटोमोटिव टायर विनिर्माता संघ बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी । अंतिम आदेश सं० 37-40/2000 एडी, दिनांक 6.11.2000

13. हम प्राधिकारी का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहते हैं कि यूरोपीय आयोग ने विटामिन कीमत फिक्सिंग के मामले में कम्पनियों पर 755 मिलियन अमेरिकी डालर का जुर्माना लगाया था तथा बीएसएफ उन मुख्य कम्पनियों में से एक है जिस पर 296.2 मिलियन यूरो का जुर्माना लगाया गया है । विटामिन ए उन विटामिनों में से एक है जिनके लिए उत्पादक संघ बनाया गया था ।

इसी प्रकार अमेरिका में पहले भी बीएसएफ के विरुद्ध व्यापार संघ विरोधी कार्यवाही आरंभ की गई थी तथा बीएसएफ पर 225 मिलियन अमेरिकी डालर जुर्माना लगाया गया था। अतः बीएसएफ का यह तर्क कि बीएसएफ द्वारा बेचे गए विटामिन ए की कीमत बाजारी शक्तियों द्वारा निर्धारित की जाती है, स्वीकार्य नहीं है तथा इस पर इस पृष्ठभूमि में विचार नहीं किया जाना चाहिए ।

14. इसके अतिरिक्त प्रारंभिक जांच परिणामों तथा बीएसएफएजी/बीएसएफ/एसईपीएल/बीएसएफ इंडिया लि० द्वारा प्रस्तुत सूचना के अवलोकन से स्पष्टतः यह पता चलता है कि जो सूचना जांच के लिए महत्वपूर्ण है वह बीएसएफ कम्पनियों द्वारा प्रस्तुत नहीं की गई है तथा प्रस्तुत की गई सूचना का तरीका इतना चयनात्मक है जिससे कि प्राधिकारी उसकी सत्यता के बारे में सार्थक जांच परिणाम निकालने के लिए उसका प्रतिसत्यापन और प्रति मिलान नहीं कर सकता ।

## II. जार्जिया के व्यापार प्रतिनिधियों, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत किए गए विचार:-

जार्जिया के व्यापार प्रतिनिधिमण्डल नई दिल्ली द्वारा कोई लिखित निवेदन नहीं किए गए थे ।

## III. यूरोपीय आयोग, नई दिल्ली के प्रतिनिधिमंडल द्वारा प्रस्तुत किए गए विचार:-

1. निर्दिष्ट प्राधिकारी के अनंतिम जांच परिणाम सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर आधारित हैं । इस सूचना में शिकायतकर्ता द्वारा अनुमानित उत्पादन का उल्लेख है । 1999-2000 में (बीएसएफ ने 5 किग्रा० कथित पाटित आयात किया था ) एकमात्र भारतीय उत्पादक का 23.62% का क्षमता उपयोग था । जनवरी, -सितम्बर, 2001 में यह उपयोग दर 83.94% हो गई थी । जब आयात 4900 किग्रा० के हुए थे । ये निम्न दरें विश्व में किसी भी उत्पादक को इस प्रतिस्पर्धी वातावरण में बेचे गए उत्पाद पर लाभ के साथ लागत आबंटन करने योग्य नहीं बनातीं । परिमल ने दावा किया है कि उनके उत्पादन स्थल बहुउद्देशीय संयंत्र है । प्रत्येक व्यक्ति यह जानता है कि बहुउद्देशीय संयंत्र लागतों के आबंटन का व्यापक विवेकाधिकार प्रदान करते हैं ताकि एक उत्पाद लाभकारी बन सके और दूसरा हानिकरक ।

2. पीरामल ने 1999/2000 में घाटे का दावा किया है जब कथित आयात केवल 5 किग्रा० के हुए थे। अप्रैल से दिसम्बर तक की अवधि में ये आयात बढ़कर 2950 किग्रा० के हो गए जिससे "कीमत में अत्यधिक कटौती हुई जिसके कारण बिक्री कीमत में गिरावट आई।" यदि हम शुरू हुए कथित पाटन से पूर्व की अवधि में सौ से शुरू करते हुए बिक्री कीमतों की सूचकांक तालिका पर दृष्टि डालें तो सूचकांक बढ़कर 113 (विटामिन ए 1.0) और 111 (विटामिन ए 1.7) पर पहुँच गया तथा शेष 4900 किग्रा० के आयातों के साथ स्थिर रहा। दूसरी अवधि के दौरान याचिकाकर्ता ने विटामिन ए 1.7 में लाभ कमाया जबकि वह यह दावा करता है कि 1.7 का आयात कम कीमत पर किया गया था। विटामिन ए 1.0 जो 1.7 की कम कीमतों द्वारा दबाव में आ गया था, के घाटे में सुधार 100, 4.33 और 0.85 रहा था जिसे केवल सुधार के रूप में निरूपित किया जा सकता है।
3. विश्व बाजार की कीमतों की तुलना में विटामिन ए की भारतीय नियत कीमत काफी अधिक है। भारत को विटामिन ए के बीएसएफ द्वारा किए गए पोट लदान मुख्यतः यूनिसेफ कार्यक्रम हेतु की गई सुपुर्दगियां थीं। चूंकि यूनिसेफ विश्व स्तर पर कार्यरत संगठन है इसलिए वह विश्व बाजार की कीमतों से परिचित है और इस प्रकार भारत में यूनिसेफ को विटामिन ए की बिक्री विश्व के अन्य देशों को की जाने वाली बिक्री की कीमत से अधिक कीमत पर करना संभव नहीं है।

**लिखित अनुरोधों तथा उत्तर में निर्यातक '1' मै० बीएसएफएजी द्वारा व्यक्त किए गए विचार।**

1. निर्दिष्ट प्राधिकारी के अनंतिम जांच परिणाम सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर आधारित है। इस सूचना में शिकायतकर्ता द्वारा आकलित उत्पादन लागत का उल्लेख है।
2. सुनवाई के दौरान परिमल ने व्यापार संघ विरोधी जुर्मानों का उल्लेख किया है। बीएसएफ को विटामिन ए के उत्पादक संघ के लिए इसका भुगतान करना पड़ा था। कुछ जिम्मेवार कर्मचारियों को जेल जाना पड़ा था। इसी बीच हमारी कम्पनी ने परिणामी कार्रवाई की है। बीएसएफ ने व्यापार संघ विरोधी अनुपालन कार्यक्रम लागू किया है जिसके नियम किसी पुनरावृत्ति के विरुद्ध काफी सत्य हैं। अतः हम क्षति रहित कीमत स्तर के बारे में पीरामल के साथ बातचीत करने की कोई संभावना नहीं पाते हैं, जैसाकि सुनवाई के दौरान प्रस्ताव किया गया था। यह बीएसएफ के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन होगा। इसके अलावा हम ऐसी बातचीत जरूरी नहीं समझते हैं क्योंकि हम इस बात के लिए आवश्यक हैं कि भारत को हमारे निर्यातों का पाटन नहीं हुआ है।
3. विश्व बाजार की कीमतों की तुलना में विटामिन ए की भारतीय नियत कीमत काफी अधिक है। भारत को विटामिन ए के बीएसएफ द्वारा किए गए पोट लदान मुख्यतः यूनिसेफ कार्यक्रम हेतु की गई सुपुर्दगियां थीं। चूंकि यूनिसेफ विश्व स्तर पर कार्यरत संगठन है इसलिए वह विश्व बाजार की कीमतों से परिचित है और इस प्रकार भारत में यूनिसेफ को विटामिन ए की बिक्री विश्व के अन्य देशों को की जाने वाली बिक्री की कीमत से अधिक कीमत पर करना संभव नहीं है। यूनिसेफ, डब्ल्यूएचओ आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय सहायता संगठनों के लिए हमारे व्यापार को अलग तरीके से देखा जाना चाहिए। इन संगठनों ने इस कारोबार के मानवीय पहलु के कारण सभी आपूर्तिकर्ताओं से बेहतर कीमतें प्राप्त की हैं। हम यह पाते हैं कि बीएसएफ ने विटामिन ए की अत्यधिक जरूरतमंद भारतीय जनता

की मदद करने का अवसर प्राप्त किया है ताकि विटामिन ए की खुराक की कमी के कारण नेत्रहीन बच्चों की बड़ी संख्या को नियंत्रित किया जा सके ।

**ग. घरेलू उद्योग का उत्तर**

1. पाटनरोधी नियमों के अनुसार निर्यातक को निर्धारित प्रपत्र के अनुसार और निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना प्रस्तुत करनी अपेक्षित होती है । इस संबंध में प्राधिकारी के प्रारंभिक जांच परिणामों तथा जांच के दौरान अगोपनीय सारांश में बीएएसएफ द्वारा प्रस्तुत सूचना के अल्लोकन से इस बात का स्पष्ट रूप से पता चलता है कि उन्होंने पाटनरोधी नियमों के अनुसार प्राधिकारी को महत्वपूर्ण सूचना उपलब्ध नहीं कराई है ।

अतः यह टिप्पणी के प्राधिकारी के प्रारंभिक जांच परिणाम अनंतिम उपायों के पश्चात मौके पर जांच करने के लिए माननीय प्राधिकारी के दृष्टिकोण पर आधारित है अनुचित है और जांच की वास्तविकता के प्रतिकूल है । उनकी उपर्युक्त टिप्पणियों से जो भी प्रकट होता है, उससे इस बात का स्पष्ट रूप से पता चलता है कि बी ए एस एफ के अनुसार प्राधिकारी को उनके उन वक्तव्यों को स्वीकार कर लेना चाहिए कि वे पाटन नहीं कर रहे हैं, वह भी इस बात को सुनिश्चित किए बिना कि निर्यातक ने निर्धारित समय सीमा में विहित सूचना दी है, जिसकी प्राधिकारी द्वारा जांच कर ली गई है । यह प्राधिकारी की मानक प्रक्रिया नहीं है, अपितु निर्धारित प्रपत्र में अपेक्षित सूचना देने के मामले में निर्यातक के असहयोग का परिणाम है । कृपया इस बात को नोट किया जाए कि मौके पर जांच केवल प्राधिकारी द्वारा ही की जायेगी और वह भी तब जबकि निर्यातक द्वारा प्राधिकारी को दी गई विहित सूचना से प्राधिकारी संतुष्ट नहीं है ।

2. जहां तक कम क्षमता उपयोग का संबंध है, ऐसा बताया गया है कि याचिकाकर्ता के संयंत्र का क्षमता उपयोग भले ही कम है तथापि वह लागत मितव्ययी है क्योंकि यह बहुउद्देश्यी संयंत्र है । चूंकि कई अन्य उत्पादों पूर्व मिश्रणों का उत्त्पादन भी इसके साथ किया जाता है इसलिए संयंत्र समग्र क्षमता उपयोग बढ़ जाती है । इसके अलावा जहां तक घरेलू उद्योग के संयंत्र की कालावधि का संबंध है ऐसा बताया

गया है कि उत्पादन तथा श्रम उत्पादकता सुधारों एवं उर्जा संरक्षण द्वारा याचिकाकर्ता अनवरत प्रौद्योगिकी उन्नयन तथा लागत घटौती की योजना का पालन करता है। याचिकाकर्ता की विनिर्माण सुविधाएं आई एस ओ 14001 तथा आई एस ओ 9001 प्रमाणपत्रों एच ए सी सी पी (हैजर्ड एनालिसिस ऑफ क्रिटिकल कंट्रोल प्वाइंट्स से प्राधिकृत है।

3. अपने वित्तीय लेखों तथा लागत लेखों के रिकार्ड के रख-रखाव के लिए याचिकाकर्ता मानक लेखा पद्धतियों का अनुसरण कर रहा है। इन रिकार्डों की कमशः सांविधिक लेखापरीक्षकों तथा लागत लेखा परीक्षकों द्वारा विधिवत लेखा परीक्षा की जाती है। याचिकाकर्ता ने इस संबंध में प्राधिकारी को उसकी संतुष्टि के अनुरूप दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ आवश्यक सूचना प्रस्तुत की है। इसलिए एक उत्पाद को लाभप्रद बनाने तथा दूसरे उत्पाद को घाटे वाला बनाने के लिए लागत आवंटन में स्वनिर्णय के इस्तेमाल का आरोप एकदम बेबुनियाद और निराधार है तथा जांच अवधि के दौरान प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए तथ्यों के विरुद्ध है।

4. जहां कि विटामिन ए डिवीजन में लाभप्रदता में वार्षिक आधार पर 400 लाख रुपये के सुधार का संबंध है यह बताया गया है कि यह कंपनी के विटामिन ए डिवीजन द्वारा कमाया गया असली मुनाफा नहीं है। अपितु यह 5 वर्षों के अंतराल के बाद डी पी सी ओ कीमत में संशोधन के कारण विटामिन ए डिवीजन के लाभ में संभावित वृद्धि के लिए

अनुमान थे। परंतु बी ए एस एफ द्वारा पाटन में वृद्धि के कारण कंपनी की यह आशा कभी पूर्ण नहीं हो पाई।

5. आगे यह भी नोट किया जाए कि आरोप बी ए एस एफ की ओर से लगाए जा रहे हैं जिन्हें कीमत नियतन के मामले में यू एस प्राधिकारियों द्वारा पहले ही दोषी ठहराया जा चुका है जिसके कारण उन पर रिकार्ड यू एस जुर्माना भी लगाया गया था। यह नोट करना संगत होगा कि जांच शुरू करने के बाद यूरोपीय आयोग ने पाया है कि 13 यूरोपीय और गैर यूरोपीय कंपनियों ने उत्पादक संघों में भाग लिया जिनका उद्देश्य विटामिन ए, ई, बी, बी2, बी5, बी 6, सी, डी3, बायोटिन (एच), फोलिक एसिड(एम), बीटा कैरोटीन तथा कैराटिनॉयडज के बाजार में प्रतिस्पर्धा को समाप्त करना था।
6. यह भी नोट किया जाए कि बी ए एस एफ ने उल्लेख किया है कि उनके पास अति परिष्कृत लेखा पद्धति है। तदनुसार, हम यह समझने में असमर्थ हैं कि इस पद्धति के तहत निर्धारित प्रपत्र में सूचना प्रस्तुत करने में इतना समय क्यों लग रहा है।
7. जहां तक याचिकाकर्ता को 1999-2000 में हुए नुकसान का संबंध है, जब आयात केवल 5 कि.ग्रा. के थे, यह बताया गया था कि डी पी सी ओ द्वारा कीमतों में संशोधन विलंबित है और चूंकि विटामिन ए की कीमतें डी पी सी ओ द्वारा नियंत्रित की जाती हैं, इस लिए कंपनी इस स्थिति में नहीं थी कि वह उचित बिक्री कीमतों की वसूली कर सके

क्योंकि डी पी सी ओ कीमतें लगभग 5 वर्ष पहले नियत की गई थीं। डी पी सी ओ कीमतें 1999-2000 में संशोधित की गई थी। इसलिए डी पी सी ओ द्वारा नियत उच्च वसूलियों के कारण डिवीजन की लाभप्रदता अप्रैल-दिसम्बर 2000 में सुधर गई। अप्रैल 2000 दिसम्बर 2000 तक की अवधि के दौरान यद्यपि आयात 5 कि.ग्रा. से बढ़कर 2950 कि.ग्रा. हो गए थे तथापि कंपनी को विटामिन ए की बिक्री से लाभ हो रहा था क्योंकि उस अवधि के दौरान आयात प्रतिस्पर्द्धा कीमतों पर किए गए थे तथापि यह लाभ अल्पकाल के लिए था क्योंकि जनवरी से संबद्ध वस्तुओं का पाटन शुरू हो गया था। अप्रैल 2000 से दिसम्बर 2000 तक की अवधि के दौरान विटामिन ए पामिटेंट 1.7 एमआईयू की मांति सी आई एफ कीमत अप्रैल 2000 से दिसम्बर 2000 तक की अवधि के दौरान \* \* \* कि.ग्रा. से घटकर अप्रैल 2001 से दिसम्बर 2001 में घटकर \* \* \* रू० कि.ग्रा. हो गई थी। विटामिन ए का बाजार अति कीमत संवेदनशील है। तथा अपना बाजार हिस्सा बनाए रखने तथा किसी कर्मचारी को हटाए बिना विनिर्माण एकक को चालू रखने के लिए याचिकाकर्ता को संबद्ध वस्तु को उचित बिक्री कीमत से भी काफी कम दामों पर बेचने के लिए बाध्य किया गया।

8. इसके अलावा सूचकांक आंकड़ों का चयनात्मक तरीके से विश्लेषण करके बी ए एस एफ द्वारा प्राधिकारी को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। अर्थपूर्ण निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए सूचकांक का समग्रता से विश्लेषण करने की जरूरत है। बी ए एस एफ द्वारा बिक्री मात्रा के लिए सूचकांक आंकड़ों की तुलना की अंतराष्ट्रीय स्तर पर अनदेखी की

गई थी। इस संबंध में याचिकाकर्ता ने प्राधिकारी को आवश्यक आंकड़े पहले ही उपलब्ध करवा दिए हैं।

### प्राधिकारी द्वारा अन्य मुद्दों की जाँच—

बी ए एस एफ ए जी की वार्षिक रिपोर्ट सार्वजनिक फाइल में उलब्ध करवाई गई थी। निर्दिष्ट प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता मुंबई स्थित द्रव्य संयंत्र में विटामिन ए पामिटेंट का उत्पादन कर रहा है, जहां पर संबद्ध वस्तु के अतिरिक्त अन्य विटामिन पूर्व मिश्रणों का उत्पादन भी किया जाता है। 1999-2000 में जब आयात 5 कि.ग्रा. के हुए थे, याचिकाकर्ता के द्रव्य संयंत्र का क्षमता उपयोग 40.50 प्रतिशत था तथा विटामिन ए पामिटेंट का उत्पादन 25.99 मी.टन था। जांच अवधि के दौरान संयंत्र का क्षमता उपयोग 48.65 प्रतिशत हो गया परंतु संबद्ध वस्तु का उत्पादन घटकर 23.88 मी.टन हो गया। 1999-2000 में याचिकाकर्ता की बिक्री 24.80 मी.टन की हुई थी। जबकि आयात 5 कि.ग्रा. के हुए थे तथा अप्रैल-दिसम्बर, 2000 में बिक्री 19 मी.टन की हुई थी जबकि आयात 3 कि.ग्रा. के हुए थे। जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता की बिक्री घटकर 13.20 मी.टन हो गई थी (पिछली अवधि की 19 मी.टन से ) तथापि आयात बढ़कर 10.05 मी.टन हो गए थे (पिछली अवधि के 3 मी.टन से)। कुल आयातों में से केवल ई यू (बी ए एस एफ) से हुए आयात लगभग 9500 कि.ग्रा. के हुए थे, वर्ष 1999-2000 में डी पी सी ओ कीमतों में संशोधन किया



गया। डी पी सी ओ द्वारा नियत कीमत वर्ष 1999-2000 में \*\*\* रु. कि.ग्रा. बढ़कर से \*\*\* रु. कि.ग्रा. तक हो गई थी। अप्रैल 2000 से दिसम्बर 2000 की अवधि के दौरान यद्यपि आयात 5 कि.ग्रा. से बढ़कर 2950 कि.ग्रा. हो गए थे फिर भी याचिकाकर्ता विटामिन ए 1.7 एम आई यू की बिक्री से लाभ कमाने में सफल हुआ था। क्योंकि उस अवधि के दौरान यूरोपीय संघ से आयात \*\*\* रु. कि.ग्रा. सी आई एफ कीमत पर हुए थे जोकि जांच अवधि के दौरान घटकर \*\*\* रु.कि.ग्रा. हो गए थे। जनवरी, 2001 से पाटित वस्तुओं की मात्रा भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ गई थी। अप्रैल-दिसम्बर, 2000 की तुलना में याचिकाकर्ता जांच अवधि के दौरान वी ए पी 1.7 एम आई यू के लिए लाभ में मामूली वृद्धि करने में सफल हुआ तथा अपने 1.0 एम आई यू नुकसान में सुधार कर पाया क्योंकि पिछली अवधि की तुलना में उन्होंने अपनी लागत में कटौती कर दी थी। तथापि अप्रैल-दिसम्बर 2000 के मुकाबले जांच अवधि के दौरान 10 एम आई यू तथा 1.7 एम आई यू के लिए बिक्री प्राप्ति कम रही थी और यह भी डी पी सी ओ कीमतों में संशोधन के कारण संभव हो पाया था। याचिकाकर्ता एन पी पी ए द्वारा डी पी सी ओ के तहत निर्धारित कीमतें तथा प्राधिकारी द्वारा इन्वॉयस में यथा सुनिश्चित क्षति रहित कीमतें प्राप्त करने में असमर्थ रहा था।

**प्रकटन विवरण के उत्तर में बी ए एस एफ :- ए जी द्वारा की गई टिप्पणियों की प्राधिकारी द्वारा जांच:-**

1. प्राधिकारी नोट करते हैं कि बी ए एस एफ ने प्राधिकारी को विटामिन ए एसिटेट की लागत के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है जैसाकि प्रकटन विवरण में उल्लेख किया गया है और इस संबंध में बार-बार अनुस्मारक भी दिए गए हैं। मौके पर सत्यापन का संकेत निर्यातक द्वारा जांच के प्रत्युत्तर में दायर किए गए आंकड़ों की सत्यता का पता लगाना होता है न कि प्राथमिक आंकड़ों को एकत्र करना।  
 (क) प्राधिकारी इस बात को नोट करते हैं चूंकि इस जांच के दौरान प्राधिकारी द्वारा मांगी गई जानकारी/आंकड़े देने में बीएएसएफ एजी ने पूरी तरह से सहयोग नहीं किया है, इसलिए मौके पर पड़ताल करके कोई सार्थक प्रयोजन हल नहीं हुआ है। इसलिए ऐसी परिस्थिति में प्राधिकारी मौके पर कोई पड़ताल नहीं कर सके।
2. स्थापित क्षमता, उत्पादन, बिक्री आदि के बारे में परिशिष्ट 7 में सूचना केवल मात्रा के संबंध में प्रस्तुत की गई है न कि मूल्य के संबंध में अन्य उत्पादकों के बारे में कोई सूचना प्रदान नहीं की गई है।
3. अनुबंध-3 में विटामिन ए पामिटेट का उत्पादन तालिका में मी.टन में दिया गया है।
4. पहुंच कीमत में लागू समस्त मूल सीमा शुल्क शामिल हैं।
5. जैसाकि जांच की कार्यवाही के दौरान और प्रकटन विवरण में उल्लेख किया गया है बी ए एस एफ ए जी ऐसी कुछ सूचना प्रस्तुत करने में विफल रहा है जैसा कि उपरोक्त पैरा 6(ग) में कहा गया है, जो उत्पादन लागत के उनके दावे की जांच हेतु और इस प्रकार पाटनरोधी नियमावली में यथापेक्षित उनकी घरेलू बिक्रियों के व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में होने का निर्धारण करने में महत्वपूर्ण थी।

च. पाटन —

उद्गम के देश में संबद्ध वस्तु के निर्यातक तथा उत्पादक:

प्राधिकारी के संगत सूचना के अनुरोध के उत्तर में जार्जिया में विटामिन ए पामिटेट के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने जवाब नहीं दिया। मैसर्स बी ए एस एफ ए जी, ई यू ने प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली का जवाब दिया।

- (क) यूरोपीय संघ— मैसर्स बी ए एस एफ ए जी:— पैरा 6 (ग) में उल्लिखित असंगतियों/कमियों को ध्यान में रखते हुए यह संभव नहीं है कि इस बात का आंकलन किया जाए कि क्या पाटनरोधी नियमावली में किए गए प्रावधान के अनुसार बी ए एस एफ ए जी द्वारा दिए गए आंकड़ें उत्पादन की पूरी लागत दर्शाते हैं, जिससे यह निर्धारित हो सके कि क्या घरेलू बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में हुई हैं। बताई गई परिस्थितियों में प्राधिकारी नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए बाध्य हुआ। इसलिए जांच अवधि के दौरान परिकलित सामान्य मूल्य—1 अमरीकी डालर =47.32

रूपये की औसत विनिमय दर \*\*\* अमरीकी डालर/कि.ग्रा. या \*\*\*  
रु.कि.ग्रा. निर्धारित किया गया है।

### यूरोपीय संघ के अन्य उत्पादक/निर्यातक

प्राधिकारी ने पाया है कि यूरोपीय संघ के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में प्रश्नावली का जवाब नहीं दिया तथा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन से संबंधित सूचना नहीं दी। इसलिए प्राधिकारी ने इन उत्पादकों/निर्यातकों को असहयोगी माना है तथा सर्वोत्तम उलब्ध सूचना के अनुसार कार्यवाही की है। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी बाध्य था कि वह जांच अवधि के दौरान 1 अमरीकी डालर = 47.32 रु. की औसत विनिमय दर पर \*\*\* अ0डा0/कि.ग्रा.( \*\*\* रु. /कि.ग्रा.)की परिकलित लागत का निर्धारण करे।

### (ख) सिंगापुर—

बी ए एस एफ साउथ ईस्ट प्रा0 लि0 ने बताया है कि सिंगापुर में विटामिन ए पॉम ऑयल 1.7 एम आई यू बी एच टी का उत्पादन करने वाली कोई फैक्टरी नहीं है। कंपनी ने बताया है कि सिंगापुर के घरेलू बाजार में कोई बिक्री नहीं की गई है। कंपनी ने बताया है कि भारत में इस उत्पाद के सभी सौदों के लिए केवल बी एस ई एस ही समन्वय और बीजक सेवाएं चलाता है। इस उत्पाद का वास्तविक रूप में भारत

को बी ए एस एफ जर्मनी से नौवहन किया जाता है सिंगापुर में कोई भाड़ा और बीमा लागत नहीं आती थी।

चूँकि संबद्ध वस्तु का विनिर्माण सिंगापुर में नहीं होता है और वास्तव में ये वस्तुएं भारत को जर्मनी से सीधे ही भेजी गई हैं इसलिए प्राधिकारी ने इन प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ सिंगापुर में संबद्ध वस्तुओं लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया है।

### (ग) जार्जिया

जैसाकि प्रारंभिक जांच परिणामों में प्रकाशित किया गया है, जार्जिया के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली का जवाब नहीं दिया था। जार्जिया के माननीय वाणिज्य दूत ने बताया है कि जार्जिया में की गई पूछताछ से पता चलता है कि जार्जिया की ऐसी कोई कंपनी नहीं है जिसने प्रत्यक्ष या अन्य किसी देश के जरिए विटामिन ए पामिटेट का भारत को निर्यात किया हो।

जैसाकि कि प्रारंभिक जांच परिणाम में प्रकाशित किया गया है, संबद्ध वस्तुओं की 550 कि.ग्रा. मात्रा का जॉर्जिया से आयात किया गया था। प्राधिकारी ने मैसर्स सुंदर कैमिकल्स प्रा०लि०, चैन्नई, जोकि जॉर्जिया से विटामिन ए पामीटेट का ज्ञात आयातक है, को पत्र लिखा तथा उनसे

अनुरोध किया कि वे जॉर्जिया में उत्पादकों/निर्यातकों के नाम व पूरा पता उपलब्ध करवाएं। हालांकि, उनसे कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई थी।

28 अक्टूबर, 2002 को निदिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई मौखिक सुनवाई के दौरान तथा बाद में जॉर्जिया गणराज्य के माननीय वाणिज्य दूत को लिखे गए पत्र के तहत इस निदेशालय द्वारा जॉर्जिया में विटामिन ए पामिटेड के लिए निर्माण सुविधाओं तथा जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के किए गए निर्यातों की स्थिति स्पष्ट करने का अनुरोध किया गया था।

तथापि जॉर्जिया गणराज्य के माननीय वाणिज्य दूत की तरफ से कोई जवाब प्राप्त हुआ नहीं था।

प्राधिकारी ने पाया है कि जॉर्जिया के निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में प्रश्नावली का जवाब नहीं दिया तथा पाटन मार्जिन, निर्यात कीमत एवं सामान्य मूल्य से संबंधित सूचना नहीं दी है। इसलिए प्राधिकारी ने निर्यातकों को असहयोगी माना है तथा उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर कार्यवाही की है। याचिकाकर्ता ने बताया है कि वे घरेलू बाजार में प्रचलित कीमतों अथवा अन्य देशों को किए जाने वाले निर्यातों पर उनके द्वारा प्रभावित कीमतों के बारे में कोई उचित या प्रामाणिक साक्ष्य प्राप्त नहीं कर पाए हैं। याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि विटामिन ए की परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर

जॉर्जिया में सामान्य मूल्य स्वीकार किया जाए। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी परिकल्पित लागत का निर्धारण करने के लिए बाध्य हुआ है।

अतः जॉच अवधि के दौरान जॉर्जिया में सामान्य मूल्य 1अ0डा0—47.32 रु. की औसत विनिमय दर \* \* \* अमरीकी डालर/कि.ग्रा. या \* \* \* रु./कि.ग्रा. माना गया है।

## 2.2 निर्यात कीमत—

(क) यूरोपीय संघ— मैसर्स बी ए एस एफ ए जी:

1. परिशिष्ट-2 से यह देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान बी ए एस एफ ए जी द्वारा विटामिन ए पामिटेट 1.7 बी एच टी का \* \* \* यूरो (1यूरो—0.895 अमरीकी डालर की विनिमय दर पर \* \* \* यूरो /कि.ग्र. या \* \* \* अ0डा0/कि.ग्रा.) के बीजक मूल्य के 9,500 कि.ग्रा. का निर्यात किया गया था। बीजक मूल्य तथा सी आई एफ कीमतें बी एस ई ए की कीमतें बताई गई हैं। इसलिए निर्यात विक्रय कीमत \* \* \* यूरो (\* \* \* अ0डा0/कि.ग्र.) है। कारखाना द्वार स्तर के बाद तथा एफ ओ बी के पहले के प्रभार हैं \* \* \* यूरो/कि.ग्रा. पैकिंग के लिए, अंतर्देशीय भाड़े के लिए ई/कि.ग्र., नौवहन लागत \* \* \* ई/कि.ग्रा. 1एफओबी के पश्चात \* \* \* ई/कि.ग्र. की दर पर विदेशी हवाई बीमा \* \* \* ई/कि.ग्रा. की दर से विदेशी वायु भाड़ों के लिए समायोजनों का दावा किया गया है। उपर्युक्त के कारण कुल लागत \* \* \* ई/कि.ग्र. अमरीकी डालर/कि.ग्र. (1यूरो—0.895676 अमरीकी डालर की विनिमय दर से) बनती है।

2. ऐसा देखा गया है कि जांच अवधि के दौरान बी ए एस एफ ए जी द्वारा, बी ए एस एफ इंडिया के अलावा, भारत में विभिन्न ग्राहकों को 6,700 कि.ग्रा. (9500 कि.ग्र. की कुल मात्रा में से) विटामिन ए पामिटेट का निर्यात किया था। निर्यातित मात्रा का बीजक/सी आई एफ मूल्य \*\*\* अ०डा० या \*\*\*रु. ( \*\*\* अ०डा०/कि.ग्रा. या \*\*\*रु./कि.ग्रा.) है।
3. इन निर्यातकों पर रिबेट कमीशन \* \* \* का दिया गया था। अतः उपर्युक्त समायोजनों तथा \* \* \* के कमीशन मूल्य पर विचार करने के पश्चात् 6,700 कि.ग्रा. की मात्रा के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत \*\*\* अ०डा०/कि.ग्रा. (या \*\*\*रु./कि.ग्र.) बनती है।
4. बी ए एस एफ इंडिया लि० जो संबंधित आयातक है, बी ए एस एफ जर्मनी से विटामिन ए पामिटेट 1.7 एम आई यू/कि.ग्रा. प्राप्त कर रहा है। उनके आर्डर बी ए एस एफ साउथ ईस्ट एशिया प्रा० लि०, सिंगापुर जो कि बीजक कंपनी है, को दिए जाते हैं। जर्मनी से मुंबई तक वस्तुओं का प्रेषण हवाई भाड़े पर किया जाता है। चूंकि आयातित मात्राएं छोटे लाटों में होती हैं इसलिए ऐसी बहुत ही कम घटनाएं हैं जहां सुपुर्दगियों में देरी हुई है। बीजक सिंगापुर में जारी किए जाते हैं तथा सिंगापुर के बैंक के जरिए उन्हें परकामित भी किया जाता है। बी ए एस एफ इंडिया लि० पर कोई भी छूट /कमीशन लागू या देय नहीं होता।



5. भारत में इस उत्पाद के सभी सौदों के लिए केवल बी ए एसएफ साउथ ईस्ट एशिया प्रा०लि० ही समन्वय एवं बीजक सेवाएं चलाता है। इस उत्पाद का नौवहन वास्तविक रूप में भारत को बी ए एस एफ जर्मनी से किया जाता है।
6. जांच अवधि के दौरान बी एस एफ ए जी ने भारत को 9,500 कि.ग्र. विटामिन ए पामिटेट का निर्यात किया था। जिसमें से 2,800 कि.ग्र. की मात्रा का बी ए एस एफ इंडिया लि० द्वारा आयात किया गया था।
7. जैसा कि परिशिष्ट-2 में बताया गया है, जॉच अवधि के दौरान बी ए एस एफ इंडिया लि० ने भारत में असंबद्ध पार्टियों को \*\*\* रु. (\*\*\*) रु./कि.ग्र.) को सकल कारोबार की 2,300 कि.ग्र. की आयातित सामग्री की बिक्री की है। \*\*\* बिक्री कर \*\*\* सी वी डी तथा मादगोदाम/भंडारण, वातानुकूलन प्रभारों, जनशक्ति प्रभारों और परिवहन/वाहन तथा विविध व्ययों के समायोजन के पश्चात् निवल कारोबार \*\*\* रु. (\*\*\*) रु./कि.ग्र.) या \*\*\* अमेरिकी डालर /कि.ग्र. का हुआ था। 2300 कि.ग्र.सी आई एफ कीमत जोकि मारित औसत सीमाशुल्क रहित है तथा उत्तराई प्रभार \*\*\* अमेरिकी डालर या \*\*\* अमेरिकी डालर/कि.ग्र. है।
8. जैसाकि 2.2 (क) में दावा किया गया है लागत समायोजन के पश्चात् 2300 कि.ग्र. के लिए कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत \*\*\* अमेरिकी डालर/कि.ग्र. निकलती है।

१. अतः बेचे गए १००० कि.ग्रा. की भारित औसत सी आई एफ कीमत \*\*\* अमेरिकी डालर/कि.ग्रा. बनती है।

### यूरोपीय संघ के अन्य उत्पादक/निर्यातक :-

प्राधिकारी ने पाया है कि संबद्ध क्षेत्र के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में प्रश्नावली का जवाब नहीं दिया तथा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन से संबंधित सूचना नहीं दी है। अतः प्राधिकारी ने इन निर्यातकों को असहयोगी माना है तथा उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के अनुसार कार्यवाही की है। प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार यूरोपीय संघ के लिए भारित औसत सी आई एफ कीमत \*\*\* रु./कि.ग्रा. या \*\*\* अमेरिकी डालर/कि.ग्रा. बनती है। समायोजन के पश्चात् कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत १ अमेरिकी डालर = 47.32 रु. की औसत विनिमय दर पर \*\*\* अमेरिकी डालर/कि.ग्रा. बनती है।

### (ख) सिंगापुर

चूंकि संबद्ध वस्तु का वास्तविक रूप से नौवहन जर्मनी से सीधे भारत को किया गया है इसलिए प्राधिकारी ने इन प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ सिंगापुर में संबद्ध वस्तु के निर्यात की कीमत निर्धारित नहीं की है।

### (ग) जार्जिया

प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर जार्जिया के लिए भारित औसत सी आई एफ कीमत \*\*\* रु./कि.ग्रा. निर्धारित की गई है।

कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण समुद्री भाडे. के रूप में \*\*\* अमरीकी डालर/कि.ग्रा. समुद्री बीमा प्रभारों के रूप में \*\*\*, \*\*\* की दर से कमीशन, स्वदेशी परिवहन के लिए \*\*\* अमरीकी डालर /कि.ग्रा. तथा याचिकाकर्ता की सूचना के अनुसार लदान, उत्तराई तथा पत्तन खर्चों के लिए \*\*\* अमरीकी डालर/कि.ग्रा. को लेने के बाद किया गया है। इनके संबंध में समायोजन करने के बाद जॉर्जिया के लिए कारखाना द्वार पर ए यू ओ बी निर्यात कीमत 1 अमेरिकी डालर = 47.32 रु. की औसत विनिमय दर पर \*\*\* रु./कि.ग्रा. अथवा \*\*\* अमरीकी डालर/कि.ग्रा. निर्धारित की गयी है।

### 2.3 पाटन मार्जिन : प्राधिकारी द्वारा जांच :-

प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के अनुसार पाटन मार्जिन, निर्यात कीमत तथा सामान्य मूल्य के निर्धारण को शासित करने वाले सिद्धांतों को अपनाने की संगत नीति का अनुसरण किया है। कारखाना द्वार पर सामान्य मूल्य तथा उपर्युक्त अनुसार कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी ने नीचे दी गई सारणी के अनुसार जार्जिया तथा यूरोपीय संघ के सभी निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन का आंकलन किया है:-

देश	उत्पादक / निर्यातक	कारखाना द्वार पर सा0 मूल्य	कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन %
ई यू	बीएसएफएजी	अ0डा0/कि.ग्रा.	***	52.94
	सभी अन्य निर्यातक/उत्पादक	***	***	58.83
जार्जिया	सभी निर्यातक/उत्पादक	***	***	37.64

## छ. क्षति

उपरोक्त नियम 11, अनुबंध- II के अंतर्गत जब क्षति के बारे में निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में " ..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में मूल्यों पर उनका प्रभाव, ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामकारी प्रभावों समेत सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा । मूल्यों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जांच करनी आवश्यक समझी जाती है कि क्या भारत में समान वस्तु के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों से मूल्यों में पर्याप्त गिरावट आई है अथवा क्या अन्यथा ऐसे आयातों का उद्देश्य मूल्यों को काफी हद तक कम करना है अथवा ऐसी मूल्य वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी हद तक बढ़ गयी होती ।

नियमावली के अनुबंध- II के नियम (III) के अनुसार यह अपेक्षित है कि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के आयातों के मामले में जब पाटनरोधी जांच एक साथ की जा रही है तो प्राधिकारी इस प्रकार के आयातों का संचयी रूप से आकलन करेगा । तथापि, इस प्रकार का आकलन तभी किया जा सकता है जब यह निर्धारित किया जाए कि प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयातों की मात्रा भारत में समान वस्तु के आयात का 3 प्रतिशत है अथवा जहां प्रत्येक देश का निर्यात 3% से कम है वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयातों का 7% से अधिक बनता है; और आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन, आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों की दृष्टि से उचित है ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन तथा संबद्ध देश से हुए आयातों की मात्रा उपरोक्त नियम 11 में निर्धारित सीमाओं से अधिक है ।

भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमों के अनुबंध- II ( iv ) के अनुसार ऐसे संकेतकों पर विचार किया है जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं जैसे:- उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि ।

(क) आयातों की मात्रा:-स्रोत:- इंटरनेशनल डाटा सर्विसेज, मुम्बई

मात्रा (किग्रा)

देश	1999-2000	अप्रैल-दिस. 2000	जन०-सित० 2001
कुल आयात	5	2950	10,050
यूरोपीय संघ	—	2950	9500(बीएसएफ द्वारा निर्यातित)
सिंगापुर	—	—	—
जार्जिया	—	—	550

संबद्ध देशों से विटामिन-ए पामिटेट के कुलआयातों में 1999-2000 में हुए आयातों की मात्रा की तुलना में अप्रैल-दिसम्बर 2000 तथा जांच अवधि के दौरान पर्याप्त वृद्धि हुई थी ।

कुल आयातों में यूरोपीय संघ का हिस्सा अप्रैल-दिसम्बर 2000 में 100 % और जांच अवधि में 94.53 % था जबकि जार्जिया का हिस्सा जांच अवधि में 5.47 % था ।

(ख) उत्पादन और क्षमता उपयोग

याचिकाकर्त्ताओं की उत्पादन क्षमता, वास्तविक उत्पादन और क्षमता उपयोग निम्नानुसार रहा था ।

याचिकाकर्त्ता	1999-2000	2000-2001	जन०-सित०, 2001(जांच अवधि)
स्थापित क्षमता(मी०टन)(द्रव्य संयंत्र)	330	330	247.50
उत्पादन (मी० टन)	133.27	153.75	120.41
क्षमता उपयोग %	40.50 %	46.60 %	48.65 %
विटामिन ए पामिटेट का उत्पादन	25.99	23.20	23.88

याचिकाकर्ता अपने थाणे (मुम्बई) स्थित द्रव्य संयंत्र पर विटामिन ए पामिटेड का उत्पादन करता है वहीं पर संबद्ध वस्तुओं के अलावा अन्य विटामिन पूर्व-मिश्रणों का उत्पादन भी किया जाता है। चूंकि संयंत्र तकनीकी रूप से तीन पारियों के लिए उपलब्ध है इसलिए स्थापित क्षमता का आंकलन तीनों पारियों के आधार पर किया गया है। अतः जांच अवधि के दौरान संयंत्र का 48.65% का क्षमता उपयोग तीन पारी आधार पर 300 मी० टन की अधिकतम स्थापित क्षमता की तुलना में है। यद्यपि संबद्ध वस्तु के उत्पादन में पूर्ववर्ती अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है, तथापि याचिकाकर्ता उक्त उत्पाद की बिक्री करने में असमर्थ रहा था और इसका उपयोग कारखाने में ही किया। घरेलू बाजार में बिक्री मात्राओं में गिरावट की प्रवृत्ति नीचे दी गई तालिका में प्रदर्शित होती है:-

(ग) बिक्री और बाजार हिस्सा

	1999-2000	अप्रैल-दिस० 2000	जन०-सित० 2001(जांच अवधि)
याचिकाकर्ताओं की बिक्री(मी०टन)	24.80	19.23	13.20 (वार्षिक 17.60)
मांग	24.805	22.180	23.25 (वार्षिक 30.99)
आयातों का हिस्सा %	0.02 %	13.30 %	43.22 %
पाटित आयातों का हिस्सा %	—	13.30 %	43.22 %
याचिकाकर्ता का हिस्सा %	99.97 %	86.69 %	56.77 %

यह देखा जाता है कि कुल और पाटित आयातों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है। हालांकि संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। तथापि मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा अप्रैल-दिसम्बर में 86.69 % के मुकाबले जांच अवधि में घटकर 56.77 % हो गया है।

(घ) कीमत कटौती एवं कीमत ह्रास

रु०/किग्रा०

वर्ष	बिक्री प्राप्ति (रु०/किग्रा०)		आयातों की पहुंच कीमत			
			यूरोपीय संघ	सिंगापुर	जार्जिया	अन्य
1997-98	***	***				
1998-99	***	***	—	—	—	
1999-2000	***	***	—	—	—	—
जांच अवधि	***	***	***	—	***	***

उपरोक्त सारणी से यह स्पष्ट होता है कि यूरोपीय संघ के निर्यातकों ने जांच अवधि के दौरान अपनी कीमतों में काफी कमी की है। घरेलू उद्योग को बाजार में निम्न आयात कीमत के प्रत्युत्तर में अपनी बिक्री कीमतें घटाने को बाध्य किया गया है। वर्तमान में इस उत्पाद की कीमत एनपीपीए द्वारा नियंत्रित की जाती है तथा 1.7 एमआईयू/ग्राम विटामिन ए पामिटेट की कीमत \*\*\*रुपए प्रति किग्रा० है। इस वास्तविकता के बावजूद कि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि की औषध मूल्य नियंत्रण प्राधिकरण द्वारा स्वीकार किया गया था तब इसके परिणामस्वरूप डीपीसीआई कीमत बढ़ाई भी गई थी परंतु कम कीमत पर वस्तुओं के पाटन के कारण याचिकाकर्ता को इसका विशेष लाभ नहीं मिल सका। संबद्ध वस्तुओं के पाटन के कारण याचिकाकर्ता को डीपीसीओ कीमत की वसूली से वंचित होना पड़ा।

(ड.) लाभप्रदताविटामिन ए पामिटेट 1.0

याचिकाकर्ता	अप्रैल-दिस० 2000	जनवरी-सितम्बर० 01
उत्पादन लागत	***	***
बिक्री कीमत	***	***
लाभ/हानि	(***)	(***)

**विटामिन ए पामिटेट 1.7**

याचिकाकर्ता	अप्रैल-दिस0 2000	जनवरी-सितम्बर0 01
उत्पादन लागत	***	***
बिक्री कीमत	***	***
लाभ/हानि	***	***

**(च) अंतिम स्टॉक (मी0 टन)**

	अप्रैल-1999-मार्च, 2000	अप्रैल-दिस0 2000	जनवरी-सितम्बर0 01
याचिकाकर्ता	15	—	498

**(छ) निवेशों पर आय में कमी**

विटामिन ए पामिटेट के लगातार पाटन के कारण, कंपनी के प्रभाग को नुकसान उठाना पड़ रहा है, जिससे प्रभाग में निवेशों पर प्राप्तव्य आय प्रतिकूलतः प्रभावित हुई है।

**(झ) मजदूरी**

पाटन के कारण भले ही कंपनी को नुकसान सहना पड़ रहा हो किंतु नियुक्त प्रशिक्षित कर्मचारियों को ज्यों का त्यों रखने के लिए कंपनी को मजदूरी में नियमित आधार पर संशोधन करना पड़ा।

**(ञ) विकास**

देश में विटामिन ए पामिटेट की पर्याप्त मात्रा में मांग है तथा याचिकाकर्ता के पास देश में विटामिन ए पामिटेट की संपूर्ण मांग को पूरा करने की क्षमता है। तथापि लगातार पाटन के कारण याचिकाकर्ता की क्षमता उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है जिससे विकास में बाधा आ रही है।



(ट) पूँजी जुटाने की क्षमता

पाटन द्वारा विटामिन ए पामिटेट प्रभाग में हुए घाटे की वजह से कंपनी के प्रभाग की वित्त जुटाने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है क्योंकि प्रत्येक वित्तीय संस्था को उस यूनिट, जिसे वह वित्तीय सहायता प्रदान करना चाहती है, की लाभप्रदता के बारे में सुनिश्चित करना जरूरी होता है।

(ठ) नकदी प्रवाह

लगातार घाटे के कारण विटामिन ए पामिटेट विनिर्माता प्रभाग के नकदी प्रवाह पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

(ज) क्षति के बारे में निष्कर्ष:

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी अनंतिम जांच परिणामों के पैरा ३ के परिणामों की पुष्टि करते हैं तथा यह दोहराते हैं कि

(क) संबद्ध देशों/क्षेत्र से आयात की मात्रा में समग्र रूप से तथा भारत में खपत के संदर्भ में वृद्धि हुई है।

(ख) याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में कमी आई है जबकि आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है।

(ग) याचिकाकर्ता को उनकी क्षतिरहित कीमत तथा डीपीसीओ कीमत से कम कीमत पर बेचने को बाध्य किया गया है।

(झ) कारणात्मक संबंध

प्राधिकारी का मानना है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देशों/क्षेत्रों से आयात के कारण हुई है जो कि भारत को विटामिन ए पामिटेट के मुख्य निर्यातक हैं। याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में कमी जार्जिया तथा यूरोपीय संघ से हुए आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि के कारण हुई है। मांग में पाटित आयातों के हिस्से अप्रैल-दिसम्बर 2000 में 13.30% की तुलना में जांच अवधि के दौरान अत्यधिक बढ़कर 43.22% तक हो गया। याचिकाकर्ता का हिस्सा अप्रैल-दिसम्बर, 2000 के 86.69% की तुलना में जांच अवधि में घटकर 56.77% हो गया। यद्यपि संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा में अप्रैल-दिसम्बर, 2000 की तुलना में जांच अवधि में 7 मी0 टन बढ़ोतरी हुई थी, तथापि पिछली अवधि की तुलना में जांच अवधि में याचिकाकर्ता की बिक्री मात्रा में 6.03 मी टन कमी आई थी। इस प्रकार घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के मात्रा संबंधी प्रभाव की स्पष्टतः पुष्टि होती है। कीमत प्रभाव की जांच करते समय अर्थात् क्या पाटित आयातों से भारत में समान वस्तु की कीमत

में अत्यधिक कटौती हुई है, प्राधिकारी ने नोट किया है कि यूरोपीय संघ तथा जार्जिया दोनों से विटामिन ए पामिटेड का पहुंच मूल्य जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता की निवल बिक्री कीमत से काफी कम था। संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण याचिकाकर्ता को उत्पाद डीपीसीओ कीमत से काफी कम कीमत पर बेचने को बाध्य होना पड़ा जिसकी वजह से उनके मार्जिन पर भारी दबाव पड़ा है। संबद्ध देश/क्षेत्र की आयात कीमतों से घरेलू उद्योग क्षतिरहित कीमतों से कम कीमत पर बिक्री करने के लिए विवश हुआ जिसे घरेलू उद्योग वसूल करने में असमर्थ रहा। अतः घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश/क्षेत्र से पाटित आयातों के कारण हुई थी।

#### १. लगाया गया पाटनरोधी शुल्क:

प्राधिकारी ने विटामिन ए पामिटेड के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का सावधानीपूर्वक आंकलन किया तथा पाटन मार्जिन के बराबर या उससे पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की है जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति दूर हो जाएगी।

#### 10. अंतिम जांच परिणाम :-

उपर्युक्त पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

(क) यूरोपीय संघ तथा जार्जिया के मूल या वहां से निर्यातित विटामिन ए पामिटेड का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है, जिसकी वजह से पाटन हुआ है।

(ख) घरेलू उद्योगों को क्षति हुई है।

(ग) घरेलू उद्योग को उक्त क्षति संबद्ध देशों/क्षेत्र से पाटित आयातों के कारण हुई है।

11. प्राधिकारी आईटीसी (एचएस)कोड सं० 29362100 तथा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 29 के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं० 2936.21 के अंतर्गत आने वाले यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित विटामिन ए पामिटेड के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। पाटनरोधी शुल्क कॉलम 3 में उल्लिखित राशि तथा आयातों के पहुंच मूल्य के बीच का अंतर होगा।

देश 1	उत्पादक/निर्यातक का नाम 2	राशि (अमेरिकी डालर/किग्रा० 3
यूरोपीय संघ	सभी उत्पादक/निर्यातक	113.95
सिंगापुर	सभी उत्पादक/निर्यातक	नाश्वर नहीं
जार्जिया	सभी उत्पादक/निर्यातक	113.95

जैसाकि प्राधिकारी ने नोट किया है, संबद्ध वस्तु भिन्न-भिन्न क्षमताओं में उपलब्ध हैं जिनका अंतिम उपयोग एक समान होता है तथा जिनका एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जाता है। उपर्युक्त पैरा 11 की तालिका के कॉलम 3 में दर्शाई गई राशि की सिफारिश विटामिन ए पामिटेट 1.7 एम आईयू/ग्रा० क्षमता के लिए की गई है। संबद्ध वस्तु की किसी अन्य क्षमता के निर्धारण के लिए कॉलम 3 के प्रयोजनार्थ इस राशि का निर्धारण 113.95 Kg अमेरिकी डालर/कि.ग्रा. (जैसी कि ऊपर कॉलम 3 में सिफारिश की गई है) को 1.7 से भाग देकर तथा भागफल को संबद्ध वस्तुओं की आयात की गई विशेष क्षमता से गुणा करके किया जाएगा (उदाहरणार्थ विटामिन ए 1.0 एम आईयू/ग्रा० के लिए राशि 67.03 Kg अमेरिकी डालर/कि.ग्रा. होगी)। इस प्रकार पाटनरोधी शुल्क इस प्रकार से परिकलित राशि तथा संबद्ध वस्तु की विशेष क्षमता के पहुंच मूल्य के बीच का अंतर होगा।

12. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा-3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए जाने वाले शुल्क को छोड़कर सीमाशुल्क विभाग द्वारा सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत यथा आकलित निर्धारण योग्य मूल्य होगा और उसमें सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

13. उपर्युक्त के अधीन रहते हुए प्राधिकारी दिनांक 30.4.2002 के जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

14. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

एल.वी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE****NOTIFICATION**

New Delhi, the 23rd January, 2003

**FINAL FINDINGS**

**Subject : Anti-Dumping investigations concerning imports of Vitamin A Palmitate from European Union, Singapore and Georgia.**

**No. 65/1/2001-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof :

**A. PROCEDURE**

1. The procedure described below has been followed subsequent to the preliminary findings:
  - (a) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified Preliminary Findings vide notification no. 65/1/2001-DGAD dated 30/4/2002 with regard to anti-dumping investigations concerning imports of Vitamin A Palmitate from European Union, Singapore and Georgia and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
  - (b) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the said findings within forty days from the date of the letter;
  - (c) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on October 28, 2002. All parties presenting views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally at the time of the public hearing. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rejoinders, if any.
  - (d) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted and arguments made by various interested parties;
  - (e) The arguments raised by the petitioners and other interested parties have been appropriately dealt with in the preliminary findings and/or these findings;

- (f) In accordance with Rule 16 supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same, have been duly considered in these findings;
- (g) The Authority issued a Public Notice dated 24<sup>th</sup> January 2002, published in the Gazette of India Extraordinary initiating anti-dumping investigations concerning imports of Vitamin A Palmitate;
- (h) \*\*\* in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

## B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

2. The product under investigation in the present case is Vitamin A Palmitate. It is an orange yellow to yellowish red oily liquid, which may crystallize below 20 C. It contains a mixture of Vitamin A Palmitate and Vitamin A Acetate, having a content of not less than 90% Vitamin A Palmitate and not more than 10% Vitamin A Acetate. Vitamin A Acetate is present on account of the chemical process of manufacture. It contains BHA and BHT as anti oxidants.

Vitamin A Palmitate is used in pharmaceutical preparations.

Vitamin A Palmitate is normally produced by the petitioner in the following two strengths:

- Vitamin A Palmitate 1.0 MIU/g
- Vitamin A Palmitate 1.7 MIU/g

Since Vitamin A Palmitate of various strengths have the same end use, the present investigations shall cover the subject goods in all its strengths and forms.

Vitamin A Palmitate is classified under Customs sub-heading no. 2936.21 of the Customs Tariff Act, 1975. The classification is however indicative only and in no way binding on the scope of the present investigations.

The Authority confirms the preliminary findings on product under consideration.

## C. LIKE ARTICLES

3. Rule 2(d) of the anti-dumping rules specifies that "Like Articles" means an Article which is identical or alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an Article, another Article, having characteristics closely resembling those of the articles under examinations.

In order to establish that Vitamin A Palmitate produced by the domestic industry is a Like Article to that exported from EU, Singapore and Georgia, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, functions and uses and tariff classification have been considered by the Authority.

The Authority also finds that there is no argument disputing that Vitamin A Palmitate produced by the domestic industry has characteristics closely resembling the imported material and is substitutable by Vitamin A Palmitate imported from the subject countries both commercially and technically. Vitamin A Palmitate produced by the domestic industry has been treated as Like Article to the product exported from EU, Singapore and Georgia, within the meaning of Rule 2(d).

In view of the above, the Authority proposes to confirm the preliminary findings on Like Articles.

#### **D. Domestic Industry**

4. The petition has been filed by M/s Nicholas Piramal India Ltd. , Mumbai M/s Nicholas Piramal India Ltd., Mumbai is the only manufacturer of Vitamin A Palmitate in the country. The Authority notes therefore that the petitioner constitutes "domestic industry" and has the required standing to file the present petition under the Rules.

The production of Vitamin A Palmitate by the petitioner has been as under:-

##### **Vitamin A Palmitate: 1.0 MIU/g**

Year	Production (MT)
1999-2000	7.18
Apr.2000-Dec.2000	3.50
Jan 2001-Sept.2001	3.00

##### **Vitamin A Palmitate: 1.7MIU/g**

Year	Production (MT)
1999-2000	18.81
Apr.2000-Dec.2000	19.70
Jan 2001-Sept.2001	20.88

#### **E. Period of Investigation:-**

5. Investigations were carried out for the period 1<sup>st</sup> January 2001 to 30<sup>th</sup> September 2001 (9months).

#### **6. Other Issues:-**

##### **(A) Submissions made by M/s BASF AG , Germany:-**

1. The production process of BASF is different to the one of the complainants. Therefore differences of cost of production between BASF and Piramal can be shown. Additionally, BASF has the big advantage of being a fully integrated producer. This gives a better cost

situation. Therefore the profit situation of BASF at a given price has to be significantly better than the one of Piramal.

2. It is not correct, that the price of the higher concentrated Vitamin A has a massive influence on the prices of the product with the lower concentration. Only a certain small volume between Vitamin A Palm 1.0 and Vitamin A Palm 1.7 is interchangeable. Vitamin A Palm 1.7 has a bigger market than the 1.0 product. Therefore the price pressure on the 1.7 market is higher, but not with the intention to press the 1.0 out of the market.
3. BASF has stated that interest and finance cost (Appendix 8,9 & 10) are not recorded in their product P&Ls and can thus not be documented on a product level.
4. Regarding raw material in volume (kg) and rate thereof they have stated in order to see the cost of each raw material from which Vitamin A is manufactured, they have to go into the details of BASF AGs product costing system and look at each cost calculation sheet. The CCS is available on a monthly basis, there is no yearly summary of the CCS. The CCS are in German language.
5. The bifurcation of utilities into cost type and quantity can be documented as the cost centre level. They are not individually allocated to cost places and products.
6. A reply on the statement of cost of production has been furnished on a confidential basis in format A.

**(B) Submissions by M/s BASF India :-**

1. With reference to the examination of the exporters questionnaire submitted by BSEA Private Ltd. BASF India Ltd. has submitted that BSEA Pvt. cannot furnish the sales price structure for exports to India (Appendix 4) and sales price structure for exports to countries other than India (Appendix 6) as the product under investigation was shipped directly from BASF AG, Germany.
2. Report of the Directors and Financial statement of BSEA Pvt. Ltd. for 1999, 2000 and 2001 has been submitted.
3. It has been stated that there is no discrepancy on the commission paid to BASF India Ltd. For those orders booked/shipped directly to BASF India Ltd., no commission was paid to BASF India Ltd. BASF India Ltd. was paid \*\*\*% commission on supply to third party.
4. There is no compensatory arrangement between BASF India Ltd. and BASF AG.
5. Adjustments claimed: BASF India has clarified that the costs incurred by them between importation and resale (duly supported with documentary evidence) for the sale of 2300 kgs of Vitamin A Palmitate 1.7MIU BHT during the period of investigations are as follows:-
  - (i) Warehousing and Storage - Rs. \*\*\*/-
  - (ii) Airconditioning charges (material has to be stored at cool temp) - Rs. \*\*\*/-
  - (iii) Man power charges - Rs. \*\*\*/-
  - (iv) Transportation/ Conveyance and miscellaneous expenses (viz., cost of stationery, furniture etc.) - Rs. \*\*\*/-.

The total charges work out to Rs \*\*\*/- for 2300 kgs which is Rs \*\*\*/kg.
6. Some information on amount incurred towards packing cost on imports vide BASF AG to BASF India provided. P&L account for the year 2001 given.
7. Sales price structure for UNICEF and Non UNICEF Exports of Vitamin A Palmitate 1.7 BHT has been submitted by BASF AG, Germany.

**(C) Examination by Authority:**

1. Packing costs are in the German language.
2. Appendix 8,9&10 of the exporters' questionnaire requires the exporter to furnish detailed break-up of raw materials in the form of quantity, rate, value and incidence of the same in respect of the finished product. These details were not furnished. Accordingly, they were asked to furnish the same. BASF has furnished some information with regard to the value. The exporter was requested to provide the break-up of the cost of captively produced and consumed raw materials especially Vitamin A Acetate. Information in respect of quantity of raw materials and rates have not been furnished. BASF has not provided the information with regard to the cost of Vitamin A Acetate to the Authority. The total of raw materials claimed is not tallying with the break-up of the raw materials claimed to be used in the manufacture of the subject goods.
3. BASF has submitted that the cost of each raw material involved in manufacturing Vitamin A can be examined through each Cost Calculation Sheet (CCS). However, the detailed sheet of such cost calculation has not been provided. The theoretical aspect of such calculation has been given without indicating the methodology for the transfer price being adopted by them for the captively produced and consumed raw materials. The CCs have not been provided. It has been mentioned that the CCS are in German and can be translated into English for the perusal of the Authority. No translated copy was made available to the Authority.
4. BASF has not provided the quantitative information with regard to different elements of utilities nor the rates thereof.
5. BASF has admitted that interest and finance cost are not recorded in their product Profit and Loss Account and cannot be documented on a product level. They have stated that if these are required, assumptions are necessary.
6. The information in Appendix 7 regarding installed capacity, production, sales etc., has been submitted in terms of quantity alone and not in terms of value. No information with regard to other products has been given.
7. The total of cost details furnished by BASF vide letter dated 15<sup>th</sup> November 2002 for the period of investigation in respect of Vitamin A Palmitate does not tally with the break-up of the cost so claimed.
8. The data on cost given in format B vide letter dated 18/12/2002 still does not rectify the deficiencies indicated above.
9. In view of the above anomalies/deficiencies, it is not possible to assess whether the same represents the full cost of production as envisaged under the anti-dumping Rules to determine whether the domestic sales are in the ordinary course of trade.

**(F) Public Hearing Held by the Authority on October 28, 2002****I Views expressed by Domestic Industry:-**

(A) The petitioner vide their written submissions given subsequent to the oral hearing held on has inter alia raised the following issues:-

1. M/s Nicholas Piramal India Ltd. is only producer of Vitamin 'A' Palmitate in the country. The installed capacity of their plant is 110 MT and the petitioner is in a position to meet the demand of Vitamin 'A' Palmitate in the country.



2. Vitamin 'A' Palmitate imports started from the year 1999 onwards and dumping of the subject goods started from January, 2001. The weighted average c.i.f price went down from USD \*\*\* /kg prevailing in 1999-2000 to USD \*\*\*/kg during the period January, 2001 to September, 2001.
3. The availability of imported subject goods at lower price in the market led to price undercutting which forced the petitioner to reduce on their price. In view of increase losses, the petitioner could not reduce their selling price beyond what was offered by the importers and hence lost market share.
4. Inspite of the fact that the DPCO price was revised during the period April, 2000 to December, 2000, the petitioner could not realise this price and continued to suffer losses because of the availability of imported subject goods at lower prices.
5. Though the subject goods are imported at present only in 1.7 MIU/g strength, the imports have affected the sales of both 1.7 MIU/g and 1.0 MIU/g as various strength of the subject goods are used interchangeably by the user industry. The availability of higher strength at lower prices proportionately reduces the per unit price of lower strength and as such the user prefers to buy higher strength in order to reduce on its cost. Due to this, there was a significant increase in inventory of 1.0 MIU/g during the period of investigations. Hence, the Authority is requested to favourably consider the imposition of anti dumping duty on per 1.0 MIU/g basis which can be increased or decreased proportionately depending upon the higher or lower strength.
6. The domestic industry has so far not reduced on its work force of about 377 people. However, in case the dumping of subject goods continued further it may be forced to lay - off some of its employees in view of the increasing losses, which would have very bad impact on their families.
7. Due to increase losses, severe liquidity problems have been created for the petitioner company and the deficit financing has either resulted in increases finance cost or the loss of opportunity for expansion in the order units as the surplus created by them are utilised to finance the losses in this division. In order to keep these costs to the minimum the domestic industry has been forced to reduce on their working capital requirement by keeping the inventories to the bare minimum.
8. As observed in the non confidential summary and from the Preliminary Findings, BASF has not submitted the complete information as required under the anti dumping rules and is not in accordance with the prescribed format. The spot verification is conducted only to verify the information submitted and misunderstanding clarified to the Authority and is not for clarifying misunderstandings and collecting the data at the premises of the exporters. BASF should be treated as non cooperative. The information submitted by them which is grossly inadequate and non confirming to the prescribed formats should be rejected.
9. One of the contentions made by BASF is that their major supplies to India were for UNICEF programmes and sales under this programme enjoy a price reduction on the normal list price. It is submitted that the UNICEF supplies are made on international competitive bidding and the petitioner company has also been supplying to UNICEF directly for the last two years in view of social causes, night blindness being a major concern of the country. (India tops in the list of number of blind children, 60, 000 children per year). The

petitioner company's plant is the only plant in India approved by UNICEF Copenhagen. UNICEF sales enjoy the benefits of deemed exports in India.

10. In addition to the findings of the authority in its preliminary findings regarding information submitted by BASF AG in Appendix XI, it has been mentioned that the information regarding cost of production of Vitamin A Acetate has been submitted by BASF to the authority during the anti dumping investigation proceedings of Vitamin AD3 500/100. It may be noted that the present anti-dumping investigation are independent of the earlier investigation of Vitamin AD3 500/100 and have different period of investigation. Moreover, Vitamin A is for human consumption whereas Vitamin AD3 500/100 is meant for animal nutrition.
11. BASF AG, BASF South East Asia Ltd. and BASF India Ltd. are related companies. By not providing the balance sheet and profit and loss account of all these related companies to the Authority, they have not cooperated with the Authority in accordance with the anti dumping rules. This has also denied right of the petitioner to analyse the above referred information and provide their comments on the same.
12. As regards the contention of BASF AG that the production process of BASF is different to the one of the complainants, it is mentioned that in one of the CEGAT judgement it has been held that "Process of manufacture is not a relevant factor under anti-dumping law. Quality difference is also not material. The imported goods and domestically produced goods have the same use and have been correctly held to be 'like article' by the Designated Authority". Automotive Tyre Manufacturers Association vs Designated Authority. Final Order Nos. 37-40/2000-AD, dated 6-11-2000.
13. We would like to bring to the kind attention of the Authority that, European Commission had levied a fine of US\$ 755 millions on companies in a Vitamin Price fixing Case and BASF is one of the major companies against whom the fine of Euro 296.2 million has been levied. Vitamin A is one of the vitamins for which this cartel was formed. Similarly even earlier in the USA, anti-trust proceedings were initiated against BASF and a fine of US\$ 225 million was levied on BASF. Therefore, the contention of BASF that the prices of Vitamin A sold by BASF are determined by the market forces, does not hold good and should not be considered against this background.
14. Moreover, perusal of the preliminary findings and information submitted by BASF AG/BASF SEPL/BASF India Ltd., clearly indicates that information which is material to the investigation have not been submitted by BASF companies and the information submitted have been in such a selective manner that the Authority cannot cross verify and cross reconcile the same to arrive at a meaningful finding as to their correctness.

## **II Views expressed by Trade Representation of Georgia , New-Delhi :-**

No written submissions were given by the Trade Representation of Georgia , New-Delhi

## **III Views expressed by the Delegation of the European Commission, New-Delhi :-**

1. The provisional findings of the Designated Authority are based on best information available. This information refers to the cost of production estimated by the complainant. The only Indian producer has a capacity utilisation of 23.62% in 1999-2000, a time, where BASF had alleged dumped imports of 5 kgs. This utilisation rate went up to 28.94% in Jan-Sept 2001 when imports had reached 4900 kgs. These low rates do not enable any producer in the world to allocate costs on the sold product in a competitive environment with a profit. Piramal has asserted that their production sites are multipurpose plants. Everybody

knows that multipurpose plants give a wide discretion of allocating costs to make one product profitable and the other loss-making.

2. Piramal claims losses in 1999/2000 when the alleged imports were only 5kgs. In the period April to December these imports have reached 2950 kgs and "led to a significant price undercutting which pushed down the selling price." If we look at the Index table of the selling prices, starting with 100 in the period before the alleged dumping started, the index went up to 113 (Vitamin A 1.0) and 111 (Vitamin A 1.7) and remained stable with imports of 4,900 kgs. During the second period the petitioner made a profit with Vitamin A 1.7, even he claims that 1.7 was imported at low prices. The development of the losses of Vitamin A 1.0 which came under pressure by the low 1.7 prices was 100, 4.33 and 0.85 which can be interpreted only as an improvement.
3. The Indian fixed price of Vitamin A is, compared to world market prices, too high. BASF shipments of Vitamin A to India were mainly deliveries for the UNICEF program. Since UNICEF is a globally working organisation they are familiar with the world market prices and thus it is not possible to sell Vitamin A to UNICEF in India at a higher price than to other countries in the world.

**(IV) Views expressed by exporter M/s BASF AG in written submissions and rejoinder:-**

1. The provisional findings of the Designated Authority are based on best information available. This information refers to the cost of production, estimated by the complainant.
2. During the hearing, Piramal has taken reference to the antitrust fines. BASF had to pay for the Vitamin cartel. Some responsible employees had to go to prison. In the meantime, our company has taken consequences. BASF has introduced an antitrust compliance program with very strict rules against any repetition. Therefore, we do not see any possibility to talk with Piramal about a non-injurious price level, as proposed during the hearing. This would be a clear violation of BASF's rules. Furthermore, we do not see any need for such talks, as we are convinced that our exports to India are not dumped.
3. The Indian fixed price of Vitamin A is, compared to world market prices, too high. BASF shipments of Vitamin A to India were mainly deliveries for the UNICEF program. Since UNICEF is a globally working organisation they are familiar with the world market prices and thus it is not possible to sell Vitamin A to UNICEF in India at a higher price than to other countries in the world. Our business to International Food Aid Organizations, like UNICEF, WHO etc., is to be seen in a different way. These organisations have received better prices from all the suppliers due to the humanitarian aspect of this business. We at BASF see a great chance to help the Indian population with desperately needed Vitamin A in order to curb the large percentage of blind children coming from a lack of Vitamin A intake.

**(V) Rejoinder by Domestic Industry**

1. In accordance with Anti Dumping rules the exporter is required to submit the information to the Designated Authority in accordance with prescribed format and within the prescribed time limit. Perusal of the preliminary finding of the Authority in this regard and the information submitted by the BASF in the non confidential summary during the investigation so far clearly indicates that they have not provided the material information to the authority in accordance with the anti dumping rules.

Therefore the comments that the preliminary findings of the authority are based on the attitude of Honorable Designated Authority to carry out on the spot investigation after provisional measures is unjustified and against the facts of the investigation. What is apparent from their above comments clearly indicates that according to BASF the authority should accept their statements that they are not dumping without ensuring that the exporter has supplied the prescribed information within the prescribed time frame and examined by the authority. It is not a standard practice of the authority, but it is a consequence of exporter's non-cooperation in providing the required information in the prescribed format. It may please be noted that the spot investigation is to be carried by the authority only and only after the prescribed information have not been submitted by the exporter to the authority to its satisfaction.

2. As regard low capacity utilisation it is stated that the capacity utilisation of the petitioners plant though low is yet cost effective, as it is a multipurpose plant. As several other products/premixes are also manufactured with it, which increases the overall capacity utilisation of the plant. Further as regards the age of plant of the domestic industry it is stated that the petitioner follows plan of continuous technology up gradation and cost reduction through yield and labour productivity improvements and energy conservation. The petitioners manufacturing facilities are accredited with ISO 9001 and ISO 14001 certificates HACCP (Hazard Analysis of Critical Control Points).
3. The petitioner has been following the standard accounting practices for maintaining their financial accounting and cost accounting records. These records are duly audited by the Statutory Auditors and Cost Auditors respectively. The petitioner has submitted the necessary information in this regard to the authority to its satisfaction along with documentary evidences. Therefore the allegation of using discretion in allocating costs to make one product profitable and other product loss making is baseless, unfounded and against the facts presented by the domestic industry to the authority during the investigations.
4. As regards the improvement in profitability of Vitamin A division by Rs. 400 lakhs on annualised basis, it is stated that these are not the real profits earned by the company from the Vitamin A division but these were the estimates for the expected increase in the profit to the Vitamin A division on account of revision of DPCO prices after a gap of 5 years, but this expectation of the company was never fulfilled on account of increase in dumping by BASF.
5. Further it may be noted that these allegations are coming from BASF who have already been held guilty by US Authorities for price fixing and thereby penalised with record US fines. It may be pertinent to note that following the opening of an investigation the European Commission has found that 13 European and non European companies participated in cartels aimed at eliminating competition in the Vitamin A, E, B1, B2, B5, B6, C, D3 Biotin (H), Folic Acid (M), Beta Carotene and carotinoids market.
6. It may also be noted that BASF has mentioned that they have highly sophisticated cost accounting system. Accordingly, we fail to understand why it is taking so much time for them to submit the information in the prescribed format.
7. As regards losses to the petitioner in 1999-2000, when imports were only 5 kgs, it is stated that the revision of prices by DPCO was overdue and since the prices of Vitamin A is controlled by DPCO, the company was not in a position to realise the fair selling

price as the DPCO price was fixed around 5 years back. The DPCO prices were revised in 1999-2000. Therefore, in the period April-December, 2000 the profitability of the division improved due to higher realisation as fixed by DPCO. During the period April, 2000 to December, 2000 through the imports had increased from 5 kgs to 2950 kgs the company still had been able to earn profits from sale of Vitamin A because imports during that period were at competitive prices. However, this benefit was short lived when from January, 2001 the dumping of the subject goods started. The weighted cif price of Vitamin A Palmitate 1.7 MIU came down to Rs. \*\*\*/kg during the period January, 2001 to September, 2001 from cif price of Rs. \*\*\*/kg during the period April, 2000 to December, 2000. The market of Vitamin A is highly price sensitive. Therefore, the petitioner had been compelled to sell the subject goods much below the fair selling price just to main its market share and keep the manufacturing unit running and avoid laying off man power.

8. Moreover BASF is trying to confuse the Authority by analysing the index figure in a selective manner. The indexed figures need to be analysed in totally to arrive at a meaningful conclusion. Comparison of indexed figures for sales quantity had been intentionally ignored by BASF. The petitioner has already provided the necessary data to the Authority in this regard.

#### **Examination by the Authority on Other Issues:-**

The Annual Reports of BASF AG were made available in the public file. The Designated Authority notes that the petitioner is producing Vitamin A Palmitate in its liquid plant at Thane (Mumbai) where other vitamin pre-mixes are also produced in addition to the subject goods. When the imports were 5kg in 1999-2000 the capacity utilisation of the liquid plant was 40.50% and the production of Vitamin A Palmitate was 25.99MT. During the POI, the plant attained a capacity utilisation of 48.65% but the production of the subject goods was 23.88MT. The sales of the petitioner was 24.80MT in 1999-2000 when the imports were 5kgs and 19MT in Apr-Dec 2000 when imports were 3MT. In the POI, the sales of the petitioner declined to 13.20MT (from 19MT in the previous period). However, the imports increased to 10.05MT (from 3MT in the previous period). Out of the total imports, imports from EU (BASF) alone constitutes about 9500 kgs.

The DPCO prices were revised in 1999-2000. The prices fixed under DPCO increased from Rs Rs \*\*\*/kg to Rs \*\*\*/kg for Vitamin A Palmitate 1.7MIU/g /kg in 1999-2000. During the period April 2000 to December 2000 though the imports had increased from 5 kgs to 2950 kgs the petitioner still had been able to earn profits from sale of Vitamin A 1.7MIU because imports during that period were at a cif price of Rs \*\*\*/kg from the EU which declined to Rs \*\*\*/kg in the POI ( by 11.41%). The volume of dumped goods also increased significantly from January 2001 ( by 240.67%). The petitioner was able to register a marginally increased profit in the POI for VAP 1.7MIU as compared to Apr-Dec 2000 and improve upon their losses for 1.0MIU as they were able to cut down their costs as compared to the previous period. The sales realisation in the POI was however lower for both 1.0MIU and 1.7MIU than in Apr-Dec 2000 and even this was possible on account of revision in DPCO prices. The petitioner was not able to realise the prices fixed under DPCO by NPPA and the non-injurious price as ascertained by the Authority in the present investigation.

**Examination by the Authority on comments given by BASF AG in response to Disclosure statement :**

1. The Authority notes that BASF has not provided the information with regard to the cost of Vitamin A Acetate to the Authority as brought out in the Disclosure Statement and inspite of repeated reminders. The purpose of the on- the- spot verification is to ascertain the correctness of the data filed by the exporter in its response to the investigation and not to collect the primary data. The Authority notes that since BASF AG has not co-operated fully in providing complete information/data as solicited by the Authority during the course of these investigations, no meaningful purpose could have been served by conducting a spot verification. Therefore, under these circumstances, the Authority could not conduct a spot verification.
2. The information in Appendix 7 regarding installed capacity, production, sales etc., has been submitted in terms of quantity alone and not in terms of value. No information with regard to other products has been given.
3. In Annexure 3, the production of Vitamin A Palmitate in the table is in MT.
4. The landed price is inclusive of all applicable basic customs duty.
5. As pointed out in the course of the investigations and in the Disclosure Statement, BASF AG has failed to furnish certain information as pointed out in Para 6©, which was vital for the examination of their claim of cost of production and thereby in the determination of their domestic sales being in the ordinary course of trade as required under Anti Dumping Rules.

**G. DUMPING:-****Exporters and Producers of the Subject Goods in the Countries of Origin:-**

None of the exporters/producers of Vitamin A Palmitate in Georgia responded to the Authority's request for relevant information. M/s BASF AG, EU responded to the questionnaire sent by the Authority.

**Normal Value****(A) European Union****M/s BASF AG:-**

In view of the anomalies/deficiencies brought out under Para 6 ©, it is not possible to assess whether the data furnished by BASF AG represents the full cost of production as envisaged under the anti-dumping Rules to determine whether the domestic sales are in the ordinary course of trade. In the stated circumstances, the Authority is constrained to construct the normal value based on the cost of production as per best available information in terms of Rule 6(8). The constructed normal value is therefore determined to be USD \*\*\*/kg or Rs \*\*\*/kg at an average exchange rate of 1USD= Rs 47.32 during the POI.

**Other Producers/Exporters from EU :-**

The Authority observes that other producers/exporters from the European Union have not responded to the questionnaire in the prescribed format and have not furnished information relating to normal value, export price, and dumping margin. The Authority therefore considers such producers/exporters to be non-cooperative and has proceeded on best available information. In the circumstances the Authority was constrained to determine the constructed cost determined as USD \*\*\*/kg (Rs \*\*\*/kg) at an average exchange rate during POI of 1USD=Rs 47.32.

**(B) Singapore**

BASF South East Private Ltd. has stated that there is no factory producing Vitamin A Palm Oil 1.7 MIU BHT in Singapore. The company has stated that there were no sales conducted in the home market in Singapore.

The company has stated that for all the transactions of this product in India, BSEA is only carrying out the coordination and invoicing services. The product is physically shipped from BASF Germany to India; no freight and insurance cost was incurred in Singapore.

Since the subject goods are not manufactured in Singapore and the goods have been physically shipped directly from Germany to India the Authority has not determined the normal value for the subject goods in Singapore.

**(C) Georgia**

As brought out in the Preliminary Findings, the exporters/producers from Georgia did not respond to the Authority in these investigations. The Honorary Consulate of Georgia has stated that enquiries made in Georgia have shown no light on the existence of any such Georgian company, which might have exported Vitamin A Palmitate to India either directly or through third country.

As brought out in the Preliminary Findings, a quantity of 550 kg of the subject goods was imported from Georgia. The Authority sent a letter to M/s Sundar Chemicals Pvt. Ltd., Chennai a known importer of Vitamin A Palmitate from Georgia and requested them to provide the names and complete addresses of the producers/exporters in Georgia. However no information was received from them.

A request was made by this Directorate during the Oral Hearing conducted by the Designated Authority on October 28, 2002 and subsequently vide a communication addressed to the Honorary Consulate of the Republic of Georgia to clarify if there are manufacturing facilities for Vitamin A Palmitate in Georgia and if exports of the subject goods had been effected during the period of investigations. However no reply was received from the Honorary Consulate of the Republic of Georgia.

The Authority observes that the exporters from Georgia have not responded to these investigations and have not furnished information relating to normal value, export price, and dumping margin. The Authority therefore considers the exporters to be non-cooperative and has proceeded on best available information.

The petitioner has stated that they have not been able to get any reasonable and authentic evidence with regard to prices prevailing either in the home market or prices charged by them for export to other countries. The petitioners have requested that the normal value in Georgia be accepted on the basis of constructed cost of production of Vitamin A Palmitate. In the circumstances the Authority has been constrained to determine the constructed cost.

The normal value in Georgia is therefore considered to be USD \*\*\*/kg or Rs \*\*\*/kg at an average exchange rate during POI of 1USD=Rs 47.32.

**Export Price:-****(A) European Union****M/s BASF AG :**

1. From Appendix 2 it is seen that a total quantity of 9,500 kgs of an invoice value of Euro \*\*\* (Euro \*\*\*/kg or USD \*\*\*/kg at an exchange rate of 1 Euro is = 0.895 USD) of Vitamin A Palmitate 1.7 BHT was exported by BASF AG during the POI. The invoice value and the cif price are stated to be the price for BSEA. The export selling price is therefore Euro \*\*\* (USD \*\*\*/kg). The charges after ex factory and before fob are Euro \*\*\*/kg for packing; inland freight \*\*\* E/kg; shipping cost at \*\*\* E/kg. The adjustments claimed after fob are on account of overseas air insurance at E \*\*\*/kg; overseas air freight at E \*\*\*/kg. The total cost on account of the above is E \*\*\*/kg or USD \*\*\*/kg (at an exchange rate of 1 Euro = 0.895676 USD).
2. It is seen that during the POI a quantity of 6,700 kgs of Vitamin A Palmitate was exported by BASF AG to various customers in India other than BASF India (out of the total quantity of 9,500 kgs.). The invoice/cif value of this quantity exported is USD \*\*\* or Rs. \*\*\* (USD \*\*\*/kg or Rs. \*\*\*/kg)
3. A rebate commission of \*\*\*% was paid on these exports. Hence after considering the adjustments above and the commission value of \*\*\*% the ex factory export price for the quantity of 6,700 kgs is therefore USD \*\*\*/kg (or Rs. \*\*\*/kg).
4. BASF India Ltd., a related importer, has been sourcing Vitamin A Palmitate 1.7 MIU/g from BASF, Germany. Their orders are placed on BASF South East Asia Pvt. Ltd., Singapore which is the invoicing company. The goods are dispatched from Germany to Mumbai by air freight. The quantities imported are in small lots and hence there are very few instances where deliveries are delayed. The invoices are raised in Singapore and also negotiated through bank in Singapore. There are no discounts/rebates/commissions applicable or payable to BASF India Ltd.
5. For all the transactions of this product in India, BASF South East Asia Pvt. Ltd. is only carrying out the coordination and invoicing services. The product is physically shift from BASF Germany to India.
6. During the period of investigation BASF AG had exported 9,500 kg of Vitamin A Palmitate to India, out of which a quantity of 2,800 kg was imported by BASF India Ltd.
7. As reported in Appendix 2, BASF India Ltd. has sold a quantity of 2,300 kg of the imported product in India to unrelated parties during the POI of a gross turn over of Rs. \*\*\* (Rs. \*\*\*/kg). After adjustment of \*\*\*% sales tax and \*\*\*% CVD and discounts/rebates and charges on account of warehousing/storage, airconditioning charges, man power charges and transportation/conveyance and miscellaneous expenses, the net turnover was Rs. \*\*\* (Rs. \*\*\*/kg) or USD \*\*\*/kg. The cif price for 2300 kgs that is net of weighted average customs duty and landing charges is USD \*\*\* or USD \*\*\*/kg.
8. After adjustments of costs claimed at 6 (B), the ex-factory export price for 2300 kgs works out to USD \*\*\*/kg.
9. The weighted average cif price of 9000 kg sold is therefore USD \*\*\*/kg.

**Other Producers/Exporters from EU :-**

The Authority observes that the other producers/exporters from the subject territory have not responded to the questionnaire in the prescribed format and have not furnished information



relating to normal value, export price, and dumping margin. The Authority therefore considers such exporters to be non-cooperative and has proceeded on best available information. The weighted average cif price as per the information available with the Authority is determined at Rs \*\*\*/kg or USD \*\*\*/kg for the European Union. After adjustments the ex-factory export price is or USD \*\*\*/kg at an average exchange rate of 1USD=Rs 47.32.

#### **(B) Singapore**

Since the subject goods have been physically shipped directly from Germany to India the Authority has not determined the export price for the subject goods in Singapore for the purpose of these final findings.

#### **(C) Georgia**

The weighted average cif price as per the information available with the Authority is determined at Rs \*\*\*/kg for Georgia. The ex-factory export price has been determined after taking USD \*\*\*/kg as ocean freight, \*\*\*% as marine insurance charges, commission @ \*\*%, USD \*\*\*/kg for inland transportation and USD \*\*\*/kg for loading, unloading and port expenses as per the petitioners information. After adjustments on these accounts the ex-factory fob export price is estimated to be Rs \*\*\*/kg or USD \*\*\*/kg for Georgia at an average exchange rate of 1USD=Rs 47.32.

#### **Dumping Margin:-**

##### **Examination by the Authority:-**

The Authority has followed the consistent policy of adopting the principles governing the determination of Normal Value, Export Price and Margin of Dumping as laid down in Annexure I of the anti-dumping rules. Based on the ex-factory normal values and ex-factory export prices as indicated above, the Authority has assessed the dumping margins in case of all exporters from EU and Georgia as given in the table below:-

Country	Producer/Exporter	Ex-factory Normal Value (USD/kg)	Ex-factory Export Price (wt.ave USD/kg)	Dumping Margin (%)
EU	BASF AG	***	***	52.94
	All other exporters/producers	***	***	58.83
Georgia	All exporters/producers	***	***	37.64

#### **H. INJURY:-**

Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such article..." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress

prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

Annexure II(iii) under Rule 11 supra further provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent expressed as a percentage of export price and the volume of the imports from each country is three per cent of the imports of the like article or where the export of the individual countries is less than three per cent, the imports cumulatively account for more than seven per cent of the imports of the like article, and cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from the subject countries are more than the limits prescribed in Rule 11 Supra.

For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, quantum of sales, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.

**(a) Quantum of Imports:-**

Source: International Data Services, Mumbai

	Quantity (kg.)		
Countries	1999-2000	Apr - Dec 2000	Jan-Sep 2001 (POI)
Total imports	5	2950	10,050
European Union	---	2950	9500 (exported by BASF)
Singapore	---	---	---
Georgia	---	---	550

The increase in the total imports of Vitamin A Palmitate from the subject countries was significant in Apr-Dec 2000 and in the POI as compared with the quantum of imports in 1999-2000.

The share of EU in total imports was 100% in Apr-Dec 2000 and 94.53% in the POI while the share of Georgia was 5.47% in the POI.

**(a) Production and Capacity Utilisation:-**

The production capacity, actual production and capacity utilisation of the petitioners was as follows: -

Petitioners	1999-2000	2000-2001	Jan-Sep 2001 (POI)
Installed Capacity	330	330	247.50

(MT) (liquid plant)			
Production (MT)	133.27	153.75	120.41
Capacity Utilisation%	40.50%	46.60%	48.65%
Production of Vitamin A Palmitate	25.99	23.20	23.88

The petitioner is producing Vitamin A Palmitate in its liquid plant at Thane (Mumbai) where other vitamin pre-mixes are also produced in addition to the subject goods. As the plant is technically available for three shifts the installed capacity has been assessed on a three shift basis. The capacity utilisation of 48.65% for the plant during the POI is therefore against the maximum installed capacity of 330MT on a three shift basis. Although the production of the subject goods has increased in the POI as compared to the previous period, the petitioner was unable to sell the produce and has instead used it captively. The declining trend in sales volume in the domestic market is reflected in the table below.

**(c) Sales and Market Share:-**

	1999-2000	Apr-Dec 2000	Jan-Sep 2001 (POI)
Sales (MT) of petitioners	24.80	19.23	13.20 (annualised 17.60 )
Demand	24.805	22.180	23.25 (annualised 30.99 )
Share of imports %	0.02%	13.30 %	43.22%
Share of dumped imports %	---	13.30%	43.22%
Share of petitioner %	99.97%	86.69%	56.77%

It is seen that total and dumped imports have increased in absolute terms. While the market share of imports from the subject countries have increased in demand the share of the domestic industry has declined in demand from 86.69% in Apr-Dec 2000 to 56.77% in the POI.

**(d) Price undercutting and price depression**

			Rs/kg			
Year	Sales Realisation (Rs/kg)		Landed Price of Imports			
			EU	Singapore	Georgia	Others
	1.0	1.7				
1997-98	***	***				
1998-99	***	***	---	---	---	
1999-2000	***	***	***	---	---	---
POI	***	***	***	---	***	***

It is evident from the above table that the exporters from EU have reduced their prices significantly in the POI. The domestic industry has been forced to reduce its selling prices to respond to the low

import prices in the market. Currently this product is price controlled by NPPA and Rs 5402.60/kg is the price for Vitamin A Palmitate 1.7MIU/g. In spite of the fact that the increase in cost of production was accepted by the National Pharmaceutical Pricing Authorities and consequently the DPCO price was revised upwards, the petitioner could not get much benefit from it because of the dumping of goods at lower prices. The dumping of the subject goods prevented the petitioner from realising the DPCO price.

**(e) Profitability:-**

**Vitamin A Palmitate 1.0**

Petitioner	Apr-Dec 2000	Jan-Sep 01
COP	***	***
Selling Price	***	***
P/L	(***)	(***)

**Vitamin A Palmitate 1.7**

Petitioner	Apr-Dec 2000	Jan-Sep 01
COP	***	***
Selling Price	***	***
P/L	***	***

**(f) Closing Stocks (MT)**

(Kg)

	Apr.1999- Mar., 2000	Apr. -Dec. 2000	Jan-Sept. 2001 (POI)
Petitioner	15	-	498

**(g) Reduced return on investments**

On account of continuous dumping of Vitamin A Palmitate, the division of the company is suffering losses, thereby the return on investments in the division has been adversely affected.

**(i) Wages**

To keep the trained work-force employed intact, the company has to continuously revise the wages on regular basis even though the company is suffering losses due to dumping.

**(j) Growth**

The country has substantial demand of Vitamin A Palmitate and the petitioner has the capacity to meet the entire demand of Vitamin A Palmitate in the country. However, on account of continuous dumping, the capacity utilisation of the petitioner has been adversely affected thereby hampering growth.

**(k) Ability to raise capital**

On account of losses in the Vitamin A Palmitate division caused by dumping, the ability of the division of the company to raise finance has been adversely affected because every financial institution needs to ensure the profitability of the unit they wish to finance.

**(l) Cash Flow**

On account of continuous losses, the cash flow of the division manufacturing Vitamin A Palmitate has been adversely affected.

#### **I. CONCLUSION ON INJURY**

7. In view of the foregoing the Authority confirms the conclusions on injury at Para J of the Provisional Findings and reiterates that:-

- (a) the quantum of imports from the subject countries/territory have increased in absolute terms and in relation to consumption in India;
- (b) the market share of the petitioner has gone down while that of imports has increased;
- (c) the petitioners have been forced to sell at prices below their non-injurious price and DPCO price.

#### **J. CAUSAL LINK**

8. The Authority holds that the material injury to the domestic industry has been caused by imports from the subject country/territory which are major exporters of Vitamin A Palmitate to India. The increase in the market share of imports from EU and Georgia resulted in the decline in the market share of the petitioner. The share of dumped imports in demand increased significantly from 13.30% in April-December 2000 to 43.22% in the POI. The share of the petitioner declined from 86.69% in April-December 2000 to 56.77% in the POI. While the increase in volume of imports of the subject goods was by 7 MT in the POI as compared to April-December 2000, the decline in sales quantum of the petitioner was 6.03MT in the POI as compared to the previous period. Hence the volume effect of the dumped imports on the domestic industry is clearly established. In examining the price effect, that is, whether the dumped imports have significantly undercut the price of the like product in India, the Authority notes that the landed value of Vitamin A Palmitate from both EU and Georgia has been significantly lower than the net selling price of the petitioner during the period of investigation. Due to dumping of the subject goods the petitioner has been forced to sell the product much below the DPCO price due to which their margins are under severe pressure. Import prices from the subject country/territory forced the domestic industry to sell below its non-injurious price which resultantly, the domestic industry was unable to recover. The material injury to the domestic industry was therefore caused by the dumped imports from the subject country/territory.

#### **K. Anti-Dumping duty imposed:-**

9. The Authority has carefully evaluated the injury caused to the domestic industry on account of dumping of Vitamin A Palmitate and has recommended the amount of anti-dumping duty equivalent to the dumping margin or less, which if levied, would remove injury to the domestic industry.

#### **10. FINAL FINDINGS:-**

The Authority after considering the foregoing, concludes that:

- (a) Vitamin A Palmitate originating in or exported from EU and Georgia has been exported to India below normal value, resulting in dumping;

(b) the domestic industry has suffered injury;

(c) injury suffered by the domestic industry is on account of the dumped imports from the subject countries/territory.

11. The Authority recommends imposition of definitive Anti-dumping duty on all imports of Vitamin A Palmitate originating in or exported from European Union and Georgia falling under customs sub-heading no. 2936.21 of Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975, and ITC (HS) Code No. 29362100. The anti-dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in Col.3 and the landed value of imports.

Country 1.	Name of the producer/exporter 2.	Amount (USD/kg) 3.
European Union	All producers/exporters	113.95
Singapore	All producers/exporters	Not applicable
Georgia	All producers/exporters	113.95

As noted by the Authority, the subject goods are available in different strengths which have the same end use and are used interchangeably. The amount set out in the table above at col 3 of para 11 is recommended for Vitamin A Palmitate 1.7MIU/g strength. The amount for the purpose of col 3, for any other strength of the subject goods would be determined by dividing USD 113.95/kg (as recommended at col. 3 above) by 1.7 and multiplying the quotient by the particular strength of the subject goods that is imported (eg amount for Vitamin A 1.0 MIU/g would be USD 67.03/kg). The anti-dumping duty shall be the difference between the amount so calculated and the landed value of the particular strength of the subject goods.

12. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

13. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings dated 30/4/2002.

14. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act, supra.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority